अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय

रीवा [म० प्र०]

निदर्शिका

(प्राच्य संस्कृत संकाय)

भाग–४

नियमावली–पाठ्य ग्रन्थावली

शास्त्री प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय १९९९

प्रकाशक

कुलसचिव

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय

रीवा (म० प्र०)

मूल्य : १२.००

(डाक व्यय अतिरिक्त)

अध्यादेश क्रमांक ५०

(शास्त्री उपाधि)

१, शास्त्री उपाधि परीक्षा निम्नांकित तीन भागों में सम्पन्न होगी—

(अ) शास्त्री प्रथम वर्ष

(आ) शास्त्री द्वितीय वर्ष एवं

(इ) शास्त्री तृतीय वर्ष

२. कोई अभ्यार्थी जिसने उत्तर मध्यमा या तत्समकक्ष परीक्षा इस विश्वविद्यालय या भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से उत्तीर्ण किया है तथा विश्वविद्यालय के अध्यापन विभाग या किसी सम्बद्ध महाविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र में निर्धारित विषय लेकर नियमित अध्ययन पूर्ण किया हो, शास्त्री प्रथम वर्ष परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगा।

३. अभ्यर्थी को उत्तर मध्यमा परीक्षा के (क) वर्ग में लिये हुए विषय को ही शास्त्री परीक्षा के (क) वर्ग में लेना होगा। परन्तु जो छात्र किसी मान्यता प्राप्त संस्था से इन्टरमीडिएट या तत्समकक्ष परीक्षा संस्कृत विषय लेकर उत्तीर्ण की हो या किसी भी "क" वर्गीय विषय से उत्तर मध्यमा परीक्षा उत्तीर्ण की हो वह अभ्यार्थी साहित्य, पौरोहित्य धर्मशास्त्र, ज्योतिष तथा पुराणेतिहास विषयों के (क) वर्ग में ही प्रवेश ले सकेगा।

४. शास्त्री प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिसने विश्वविद्यालय के अध्यापन विभाग या किसी सम्बद्ध महाविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र में निर्धारित विषय लेकर अध्ययन पूर्ण किया हो, शास्त्री द्वितीय की परीक्षा में प्रविष्ट हो सकेगा।

५. कोई अभ्यर्थी जिसने शास्त्री द्वितीय वर्ष परीक्षा इस विश्वविद्यालय से अथवा किसी अन्य मान्य विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण की हो तथा एक वर्ष विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग अथवा सम्बद्ध महाविद्यालय में अध्ययन किया हो, शस्त्री तृतीय वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगा।

६. कोई अभ्यर्थी जिसने शास्त्री द्वितीय वर्ष परीक्षा, किसी अन्य विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण किया हो कुलपति की अनुमति प्राप्त कर शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा में प्रविष्ट हो सकेगा यदि उसने शास्त्री प्रथम वर्ष परीक्षा वही पाठ्यक्रम विषय लेकर उत्तीर्ण किया हो जो इस विश्वविद्यालय के समकक्ष मान्य हो तथा एक शैक्षणिक सत्र में विश्वविद्यालय के अध्यापन विभाग या सम्बद्ध महाविद्यालय में नियमित छात्र के रूप में अध्ययन किया हो। नियमित / भूतपूर्व छात्रों के अतिरिक्त इस अध्यादेश के अधीन स्वाध्यायी छात्र भी अध्यादेश ६ (परीक्षा सामान्य) के प्रावधानों के अन्तर्गत प्रविष्ट हो सकेंगे।

७. परीक्षा के विषय निम्नांकित होंगे—

अ) अनिवार्य

१) आधार पाठ्यक्रम

~~क) सामान्य जागरूकता~~ ×

(क) ख) भाषा ज्ञान हिन्दी

(ख) ग) भाषा ज्ञान अंग्रेजी / संस्कृत

२) संस्कृत

(ब) वैकल्पिक

निम्नलिखित प्रत्येक वर्ग से किसी एक विषय को लेना अनिवार्य होगा

वर्ग 'क'

१. वेद
२. व्याकरण
३. साहित्य
४. दर्शन
५. ज्योतिष
६. धर्मशास्त्र
७. पौरोहित्य
८. पुराणेतिहास

वर्ग 'ख'

१. हिन्दी
२. राजनीति विज्ञान
३. अर्थशास्त्र
४. इतिहास
५. भूगोल
६. समाजशास्त्र
७. गृह विज्ञान, महिलाओं के लिए)
८. भाषा विज्ञान
९. विज्ञान रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान)
१०. संगीत (गायन, वादन)
११. शिक्षा
१२. अंग्रेजी साहित्य

८. शास्त्री प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रत्येक विषय में ३३ प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही उत्तीर्ण घोषित होंने। शास्त्री द्वितीय वर्ष परीक्षा में श्रेणी-विभाजन नहीं होगा। शास्त्री द्वितीय एवं तृतीय वर्ष परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर श्रेणी प्रदान की जायेगी।

९. शास्त्री द्वितीय एवं तृतीय वर्ष परीक्षा में जिन्हें प्राप्तांकों का ६० प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त होते हैं उन्हें प्रथम श्रेणी, जिन्हें ४५ या अधिक प्रतिशत उन्हें द्वितीय श्रेणी तथा अन्य उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिन्हें ४५ प्रतिशत से कम प्राप्तांक प्राप्त होते हैं, तृतीय श्रेणी प्रदान की जायेगी।

१०. आधार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य जागरूकता, भाषा ज्ञान हिन्दी एवं अंग्रेजी से तीनो प्रश्न पत्रों के सहायोग में उत्तीर्णता हेतु ३३% अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

प्राच्य संस्कृत संकाय

परीक्षा योजना

शास्त्री प्रथम वर्ष परीक्षा १९९९

क्रमांक	विषय	प्रश्न-पत्र	पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
१	२	३	४	५
(अ) अनिवार्य विषय —				
आधार पाठ्यक्रम	(क) सामान्य जागरूकता	प्रथम	५०	५०.२५
	(ख) भाषा ज्ञान हिन्दी	द्वितीय	५०	
	(ग) भाषा ज्ञान अंग्रेजी	तृतीय	५०	
१.	संस्कृत	चतुर्थ	१००	३३
(ब) वैकल्पिक वर्ग 'क' (कोई एक विषय				
१. वेद		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
२. व्याकरण		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
३. साहित्य		पंचम	१००	३३

१	२	३	४	५
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
		पंचम	१००	३३
४. दर्शन		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
		पंचम	१००	३३
ज्योतिष		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	८०	२६
		प्रयोगिक	२०	०७
६. धर्मशास्त्र		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
७. पौरोहित्य		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
८. पुराणेतिहास		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३

१	२	३	४	५
		सप्तम	१००	३३
(स) वैकल्पिक "ख" वर्गीय विषय (कोई एक विषय)				
	१- हिन्दी	अष्ठम	१००	३३
		नवम	१००	३३
	२- राजनीति विज्ञान	अष्ठम	१००	३३
		नवम	१००	३३
	३- अर्थशास्त्र	अष्ठम	१००	३३
		नवम	१००	३३
	४- इतिहास	अष्ठम	१००	३३
		नवम	१००	३३
	५- भूगोल	अष्ठम	१००	३३
		नवम	१००	३३
	६- समाजशास्त्र	अष्ठम	१००	३३
		नवम	१००	३३
	७- गृहविज्ञान	अष्ठम	७०	२३
		प्रायोगिक	३०	१०
		नवम	७०	२३
		प्रायोगिक	३०	१०

१	२	३	४	५
८- भाषा विज्ञान	अष्टम	१००	३३	
	नवम	१००	३३	
९- विज्ञान :—				
(क) रसायन शास्त्र	अष्टम	७०	२३	
	प्रायोगिक	३०	१०	
(ख) जीव विज्ञान	नवम	७०	२३	
अथवा				
भौतिक विज्ञान	प्रायोगिक	३०	१०	
१०- संगीत				
भारतीय संगीत	अष्टम	५०	१७	
(अ) कण्ठ संगीत	नवम	५०	१७	
	प्रायोगिक	१००	३३	
(ब) तंत्र वाद्य	अष्टम	५०	१७	
	प्रायोगिक	१००	३३	
(स) तालवाद्य	नवम	५०	१७	
	प्रायोगिक	१००	३३	

१	२	३	४	५
११.	शिक्षा	अष्टम	१००	३३
		नवम	१००	३३
१२.	अंग्रेजी साहित्य	अष्टम	१००	३३
		नवम	१००	३३
(द)	ऐच्छिक अतिरिक्त विषय :—			
	१. अंग्रेजी	—	१००	३३

शास्त्री प्रथम वर्ष (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) १९९९

अनिवार्य विषय

COURSES OF STUDIES

आधार पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्नपत्र : भारत की सांस्कृतिक विरासत

पूर्णांक: ५०

उद्देश्य— १. छात्रों को भारत की सांस्कृतिक एकता से परिचित कराना।

२. छात्रों के मन में भारतीय संस्कृति के प्रति अनुराग जागृत करना।

३. भारत की सांस्कृति परम्परा और आधुनिकता के प्रति समीक्षात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुये मौलिक चिन्तन के लिए प्रेरित करना।

इकाई I

(१) भारतीय संस्कृति :—

संस्कृति का अर्थ

सभ्यता और संस्कृति

भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ।

(२) देश और निवासी — (अ) भारत की संक्षिप्त भौगोलिक जानकारी।

(ब) निवासी :—

(१) मूल निवासी :— आर्य, द्रविण, पूर्वोत्तर भारतवासी, आदिवासी, (परिचय) परस्पर समन्वय।

(२) विभिन्न प्रजाति समूहों का आगमन (शक, हूण, पारसी आदि) एवं भारतीय संस्कृति में संविलियन।

इकाई II

(३) भारतीय समाज की संरचना-वर्णाश्रम एवं पुरुषार्थ।

सामाजिक गतिशीलता : प्राचीन से आधुनिक काल तक (संक्षेप में)।

(४) धर्म और दर्शन :— धर्म और दर्शन का स्वरूप। भारत के प्रमुख धर्म। सभी धर्मों में समान तत्व।

इकाई III

(५) भारतीय कला :— कला से तात्पर्य। भारतीय कला का आधार। संगीत, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला, वास्तुकला, और लोककलाओं का संक्षिप्त परिचय।

(६) भारतीय साहित्य :— प्राचीन भारतीय साहित्य— वैदिक साहित्य, महाभारत, रामायण तथा अन्य प्रमुख ग्रन्थ (संक्षिप्त परिचय)।

इकाई IV

(७) भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम:— १८५७ का स्वतन्त्रता संग्राम
राष्ट्रीय पुनर्जागरण ।
असहयोग आन्दोलन
सविनय अवज्ञा आन्दोलन ।
भारत छोड़ो आन्दोलन ।
स्वतन्त्रता संग्राम में क्रान्तिकारियों का योगदान ।

(८) भारतीय संविधान:— प्रस्तावना
संविधान की प्रमुख विशेषताएँ
मौलिक अधिकार ।
मौलिक कर्तव्य ।

इकाई V

(९) भारतीय संस्कृति का विश्व पर प्रभाव :—
धर्म, कला, साहित्य और जीवन पर प्रभाव ।

(१०) मध्य प्रदेश : भारतीय संस्कृति के संदर्भ में:—
संगीत, नृत्य, चित्र, मूर्ति-कला, लोक-कलाएँ ।
म० प्र० की प्रमुख पुरातात्विक धरोहर (संक्षिप्त परिचय)
म० प्र० के प्रमुख तीर्थ स्थल ।

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग, भोपाल द्वारा प्रायोजित तथा मध्य प्रदेश हि... ...ग्मी, भोपाल द्वारा प्रकाशित ।

शास्त्री प्रथम वर्ष

आधार पाठ्यक्रम द्वितीय प्रश्नपत्र : (अ) हिन्दी भाषा

पूर्णांक : ५०

(१) मानक हिन्दी भाषा:—

मानक भाषा : स्वरूप और लक्षण ।
मानक, उपमानक और अमानक भाषा में अन्तर ; उदाहरण ।
मानक हिन्दी (औपचारिक)
अनौपचारिक मानक हिन्दी
औपचारिक उपमानक हिन्दी
अनौपचारिक उपमानक हिन्दी
क्षेत्रीय बोलियों के प्रभाव से अनुरंजित मानक हिन्दी ।

(२) अशुद्धि संशोधन : अशुद्धियों का वर्गीकरण

(क) उच्चारणगत अशुद्धियाँ : वर्गीकरण और उदाहरण ।
(ख) वर्तनीगत अशुद्धियां : वर्गीकरण और उदाहरण
(ग) शब्द एवं शब्दार्थगत अशुद्धियां : वर्गीकरण और उदाहरण
(घ) व्याकरण अशुद्धियां : वर्गीकरण और उदाहरण ।

(३) हिन्दी में शब्द रचना और प्रकार :

(क) शब्दरचना : उपसर्ग एवं नयुत्पादक प्रत्यय तथा इनके अर्थमूलक प्रभाव
(ख) शब्द प्रकार : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, संकर, नवनिर्मित
(ग) शब्दार्थ : पर्यायवाची, विलोमार्थी, युग्म, अनेकार्थी
(घ) शब्दकोश में शब्द और अर्थ का संधान ।

(४) हिन्दी की वाक्य रचना :
(क) वाक्य : प्रकार, वाक्य विन्यास
(ख) हिन्दी में वाक्य रचनागत अशुद्धियाँ : प्रकार एवं उदाहरण
(ग) विराम चिन्ह एवं उनके उचित प्रयोग

(५) हिन्दी रचना :
(क) पत्र लेखन : व्यावसायिक, निजी, शासकीय, अर्द्धशासकीय आवेदन पत्र
(ख) हिन्दी में सार लेखन ।

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग, भोपाल द्वारा प्रायोजित तथा मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल द्वारा प्रकाशित ।

SHASHTRI I

FOUNDATION COURSE

Component III : (B) English Language

Max, Marks 50

Objectives :

The objective of the course is to improve the competence of students of B. A./B. Sc./B. H. Sc. Part-I in respect of basic language skills While framing the syllabus it is assumed that the M, P. Secondary Board (+2) Structural syllabus has heen carefully studied by the students to integrated structural, notional and functional uses of the English language.

1. *Language Content* :

A. Structural items :

(i) Simple, compound and complex sentences.

(ii) Co-ordinate clauses (with, but, or either-or, Neither-Nor., Otherwise, or else).

(iii) Subordinate clauses-noun clauses-as subject object and complement : Relative clauses (restrictive an non-restrictive clause); Adverb clauses (open and hypothetical conditional; with because, though where so that, as long as, as soon as)

(iv) Comparative Clauses (as + adjective/adverb + as — no sooner .... that).

B. Tenses :

(i) Simple present, progressive and present perfect.

(ii) Simple past, progressive and past perfect.

(iii) Indication of futurity.

C. The passive (Simple present and past, present and past perfect and to infinitive structure.

D. *Reported Speech* :

(i) Declarative sentences

(ii) Imperatives

(iii) Interrogatives-wh-questions, Yes/No Questions.

(iv) Exclamatory sentences.

E. Modals (Will, should, ought, to have to/have got to, can-could, may-might and need).

G. Linking devices,

Note—The above language items will be introduced to express the following communicative functions :

(a) Seeking ank imparting information

(b) Expressing attitudes-intellectual and emotional

(c) Persuasion and dissuasion etc.

II. *Reading Comprehension*

Adequate practice should be provided in reading with understanding through graded material prescribed in the text book. Attempt should also be made to expand the learner's vocabulary

III. *Writing Skills* :

Graded practice should be provided in the basic skills of composition. The following forms of composition should be practised :

(i) Paragraph-writing (150 words,)

(ii) Letter-writing (both formal and informal).

IV. *Speaking* :

Contextualized vocabulary teaching and oral work should be used to strengthen the learner's acquirement of the sound distinctions, stress and intonation in English.

Testing Pattern :

Unit I :	Short-answer questions from the prescribed text.	Marks 10
Unit II :	Reading comprehension and Vocabulary expansion	10
Unit III :	Paragraph writing	10
Unit IV :	Letter writing	10
Unit V :	Grammer	10

The book sponsored by M. P, Uchcha Shiksha Anudan Ayog and published by M. P. Hhindi Granth Academy is the prescribed text boyk for this syllabus.

अनिवार्य संस्कृतम्

पूर्णांक १००

चतुर्थ प्रश्नपत्रम्

(क) अभिज्ञान शाकुन्तलम् (सम्पूर्ण) ६०

(ख) मेघदूतम् (पूर्वभाग:) ४०

वैकल्पिक वर्ग 'क'

१–वेद

१–ऋग्वेदः

पंचम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक १००

(क) ऋग्वेद संहिताया: प्रथम द्वितीयाध्याययो: सायणभाष्यम् भूमिका भाग वर्जितम् ६०

(ख) आश्वलायन गृह्यसूत्रे १-२ अध्यायौ नारायण वृत्ति संहितौ ४०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् पूर्णांक १००

(क) ऐतरेय ब्राह्मणम् १-२ पंचिके सायणभाष्य सहिते ६०

(ख) आश्वलायन गृह्यसूत्रे ३-४ अध्यायौ नारायण वृत्ति सहितौ । ४०

सप्तम् प्रश्नपत्रम् पूर्णांक १००

(क) निरुक्तम्–स्वसम्बद्धनिघण्टु एवं दुर्गवृत्ति सहितम् १-३ अध्याया: ६०

(ख) जटाष्टक विकृतिलक्षणानि सोदाहरणानि

२. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)

पंचम प्रश्नपत्रम्

पूर्णांक १००

(क) शुक्लयजु: संहिताया: महीधर भाष्यम् १-३ अध्याया: ६०

(ख) पारस्कर गृह्यसूत्रम् (प्रथम काण्डम्) हरिहर भाष्यानुसारी व्याख्या सहितम् । ४०

षष्ठ प्रश्नपत्रम्

पूर्णांक: १००

(क) शुक्लयजु:संहिताया: ३१ तमाध्यायस्य पदक्रम जटाघन पाठा: । ६०

(ख) ~~प्रतिज्ञा परिशिष्टम्, सम्प्रदाय प्रकाशिनी शिक्षा च~~ (पं० श्री गोपाल चन्द्र मिश्र विरचिता) ४०

सप्तम् प्रश्नपत्रम् (सर्ववेदसाधारण पत्रम्)

पूर्णांक: १००

(क) निरुक्तम्—स्वसम्बद्धनिघण्टु एवं दुर्गवृत्ति सहितम् १-३ अध्याया: ६०

(ख) जटाष्टक विकृति लक्षणानि सोदाहरणानि ४०

३. कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तरीयशाखीयः)

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

(क) तैत्तरीय संहितायाः सस्वरायाः सप्तमकाण्डम् — ६०

(ख) गृह्यसूत्रम् पूर्वार्द्धम् सत्याषाढीयम् आपस्तम्बीयम् वा — ४०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

(क) तैत्तरीय ब्राह्मणम् सायणभाष्य सहितम् प्रथमकाण्डस्य प्रथमम् प्रपाठकम् । — ६०

(ख) गृह्यसूत्रमुत्तरार्द्धम्-सत्याषाढ़ीयम् आपस्तम्बीयम् वा — ४०

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

(क) शुक्लयजुर्वेदवत् — ६०

(ख) शुक्लयजुर्वेदवत् — ४०

४. सामवेदः

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

(क) छान्दोग्यमन्त्रब्राह्मणम्—गुणविष्णु भाष्य सहितम् — ६०

(ख) साम संहितायाः प्रथमाध्यायस्य पदपाठः सस्वरः — ४०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक १००

(क) गोभिलगृह्यसूत्रम् पूर्वार्द्धम् — ६०

(ख) सुबोधिनी पद्धतेः गर्भाधानादि षोडशसंस्कारान्तोभागः — २०

(ग) कुण्डमण्डपसिद्धिः — २०

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

(क) शुक्लयजुर्वेदवत् — ६०

(ख) शुक्लयजुर्वेदवत् — ४०

५. अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः)

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

(क) अथर्ववेद संहितायाः १-२ काण्डौ सायणभाष्यम् भूमिका भाग वर्जितम् — ६०

(ख) कौशिक गृह्यसूत्रम् पूर्वार्द्धम् — ४०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

(क) गोपथ ब्राह्मणम् पूर्वार्द्धम् — ६०

(ख) कौशिक गृह्यसूत्रम् उत्तरार्द्धम् — ४०

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

(क) शुक्लयजुर्वेदवत् — ६०

(ख) शुक्लयजुर्वेदवत् — ४०

२. प्राचीनव्याकरणम्

पूर्णाङ्कः १००

पंचम प्रश्नपत्रम्

(क) व्याकरण महाभाष्यस्याद्यानि चत्वारि आह्निकानि	८०
(ख) कौशिका-कारकाश वर्जितानियत भागस्था	२०

पूर्णाङ्कः १००

षष्ठ प्रश्नपत्रम्

(क) व्याकरण महाभाष्यस्य पंचमाह्निकात् नवमाह्निकान्तो भागः	८०
(ख) काशिका-कारिकाशवर्जिता नियत भागस्था	२०

पूर्णाङ्कः १००

सप्तम प्रश्नपत्रम्

परिभाषेन्दुशेखरः परिष्कार रहितः (अकृतव्यूहपरिभाषा पर्यन्तः)

अथवा

(क) न्यासस्य प्रथमाध्यायस्य प्रथम द्वितीय पादौ

३. नव्यव्याकरणम्

पूर्णाङ्कः १००

पंचम प्रश्नपत्रम्

(क) वैयाकरण सिद्धान्त कौमुद्याः स्वर वैदिकप्रकरणे	७०
(ख) पाणिनीय शिक्षा	३०

पूर्णाङ्कः १००

षष्ठ प्रश्नपत्रम्

प्रौढ़ मनोरमा (शब्द रत्न सहिता पंचसन्ध्यन्ता	१००

पूर्णाङ्कः १००

सप्तम प्रश्नपत्रम्

पातञ्जल महाभाष्यम्—आदितः तृतीयाह्निकान्तम्

साहित्यम्

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

(क) नैषधीयचरितस्य आद्याश्चत्वारः सर्गाः	५० अंक
(ख) शिशुपालवधस्य १-२ सर्गौ	३०
(ग) नैषधीयचरितस्य शिशुपालवधस्यालोचना।	२० अंक

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

(क) कादम्बरी कथामुखभागं यावत्	५० अंक
(ख) साहित्य दर्पणस्य प्रथम द्वितीय परिच्छेदौ	२० अंक
(ग) कादम्बर्यां आलोचना	३० अंक

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

(क) दशरूपकम् [१-३ प्रकाशाः]	८० अंक
(ख) भारतनाट्यशास्त्रस्य आद्यौ द्वावध्यायौ	२० अंक

४—दर्शनम्

	१००
पंचम प्रश्नपत्रम्	७०
वेदान्त परिभाषा	३०
उपदेश साहस्री	

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

ईश केन कठ-प्रश्न-मुण्डक माण्डूक्य तैत्तरीय-
एतत्योपनिषदः स्वस्वसम्प्रदायानुसारि व्याख्या सहिताः

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

शांकरवेदान्ते
पंचदशी तृप्तिदीप प्रकरणान्ता

अथवा

रामानुज वेदान्ते यतीन्द्रमतदीपिका — १००

अथवा

रामानन्दवेदान्ते — १००
(क) प्रमेय परिशोधिनी
(ख) मानरत्नावली च

अथवा

सांख्यदर्शने — १००
(क) सांख्यसारः (पूर्वभागः) विज्ञान भिक्षुकृत — ७०
(ख) सांख्य परिभाषा — ३०

अथवा

नव्यन्याये — पूर्णांकः १००
(क) जगदीश्याः व्यधिकरणं चक्रवति लक्षणान्तम् — ७०
(ख) न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्याः अनुमान खण्डम् (दिनकरी सहिता) — ३०

२—जैनदर्शनम्

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

पुरुषार्थ सिद्धयुपीयः अमृतचन्द्राचार्य)

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

सर्वार्थ सिद्धिः (१-५) अध्याय) (आचार्यपूज्यपाद)

अथवा

प्रमाणमीमांसा

सप्तम् प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

प्रमेयरत्नमाला (तृतीयपरिच्छेदान्ता)

५—ज्योतिषम्

(१) सिद्धान्ति ज्योतिषम्—

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

(क) ताजिक नीलकंठी — सम्पूर्ण ७० अंक

षट् पंचाशिका — ३० अंक

षष्ठ प्रश्नपत्रम् त्रिकोण — पूर्णाङ्कः १००
(क) सरल त्रिकोणमितिः — ५०
(ख) अर्वाचीन ज्योतिषम्— — ५०
१-८ अध्यायाः

सप्तम प्रश्नपत्रम् बापूदेव — पूर्णाङ्कः १००
(क) त्रिकोणमितिः— शास्त्री — ५०
(ख) नवीन सरल त्रिकोणमितिः — ३०
(ग) प्रयोगिक — २०
सहायक ग्रन्थः— गोलपरिभाषा
(२) फलित ज्योतिषम्—

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००
(क) पंचस्वराः — २०
(ख) षट् पंचाशिका — २०
(ग) ताजिक नीलकंठी द्वितीयतन्त्रम् — ३०
(घ) लघुपाराशरी (विशिष्टभाष्ययुता) — ३०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००
(क) समरसारः — ४०
(ख) वास्तुरत्नाकरः — ४०
(ग) गोलपरिभाषा — २०

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००
(क) बृहज्जातकम् — ८०
(ख) प्रायोगिक — २०
सहायक ग्रन्थः—ताजिक नीलाकण्ठी
(प्रथम तन्त्र मात्र)

६—धर्मशास्त्रम्

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००
आचार मयूखः

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००
मनुस्मृतिः कुल्लूकभट्टकृतटीकासंहिता १-६ अध्यायाः
(प्रथमतः षडध्याय पर्यन्तम्)

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००
१. याज्ञवल्क्यस्मृतिः (आचाराध्यायः मिताक्षरटीका— सहितः) — १००

७—पौरोहित्य (कर्मकाण्डे)

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००
शुक्ल यजुर्वेद रुद्राष्टाध्यायी मूलमात्रम्
अथवा
शुक्ल यजुर्वेद मंत्र संहिता—संपा० वेणीराम गौड़

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००
पारस्कर गृह्यसूत्रम् (प्रथम द्वितीय काण्डौ)

पूर्णांक: १००

सप्तम प्रश्नपत्रम्

~~आह्निक~~-सूचावलि:—नारायण शर्मा पुण ताम्बेकर संगृहीता

आह्निक

८–पुराणेतिहासम्

पूर्णांक: १००

पंचम प्रश्नपत्रम्

१. श्रीमद्भागवतस्य प्रथम: स्कन्ध: ५०

२. विष्णुपुराणस्य पंचमों अंश: ५०

पूर्णांक: १००

षष्ठ प्रश्नपत्रम्

श्रीमद्भागवतस्य (द्वितीय, तृतीय स्कन्धौ)

पूर्णांक: १००

सप्तम प्रश्नपत्रम्

बाल्मीकि रामायणस्य सुन्दरकाण्डम् ।

वैकल्पिक 'ख' वर्गीय विषय

९–हिन्दी

शास्त्रीय प्रथम - ख वर्ग

हिन्दी अष्टम प्रश्न पत्र **१०० अंक**

भक्ति कालीन काव्य, काव्य संकलन भाग - एक

सं० – डा० कान्ति कुमार जैन / धनंजय वर्मा, म० प्र० रचना ग्रन्थ अकादमी द्वारा प्रकाशित।

अंक विभाजन

व्याख्या	3 x 15 = 45
समीक्षात्मक प्रश्न	2 x 15 = 30
निर्धारित विधाएं / इतिहास	10
लघुउत्तरीय	15

नवम् ख वर्ग – उपन्यास एवं कहानी **१०० अंक**

प्रेमचन्द्र के दो उपन्यासों में से कोई एक

गठन (विद्यार्थी संस्करण) व्याख्या

कर्मभूमि (विद्यार्थी संस्करण) व्याख्या

प्रेमचन्द्रोत्तर उपन्यासों में से कोई एक

परख – जैनेन्द्र कुमार

सारा आकाश – राजेन्द्र यादव

कहानी संग्रह – म० प्र० उच्च शिक्षा अनुदान आयोग भोपाल द्वारा प्रायोजित एवं प्रकाशित।

अंक विभाजन प्रश्न पत्र अष्टम के अनुसार।

गद्य साहित्य

पूर्णांक १००

नवम प्रश्नपत्र

१. उपन्यास
   १. कर्मभूमि—प्रेमचन्द
   २. परख—जैनेन्द्र कुमार
२. कहानी संकलन
   आधुनिक हिन्दी कहानी—धनञ्जय वर्मा

व्याख्या	३ × १५ = ४५ अंक
प्रश्न उपन्यासों से	२ × १५ = ३० अंक
कहानी से	१३ अंक
उपन्यास / कहानी पर एक सामान्य प्रश्न	१२ अंक

२. राजनीति विज्ञान

पूर्णांक १००

अष्टम प्रश्नपत्र

[१] परिभाषा, क्षेत्र, अध्ययन विधि एवं अन्य सामाजिक शास्त्रों से सम्बन्ध।

[२] राज्य की परिभाषा, उत्पत्ति एवं प्रकृति।

[३] सरकार की परिभाषा, प्राचीन तथा अर्वाचीन वर्गीकरण।

[४] संविधान की परिभाषा तथा प्रकार लिखित, अलिखित, नमनीय तथा अनमनीय निर्मित एवं विकसित, एक अच्छे संविधान के लक्षण।

[५] सर्वोच्च सत्ता के लक्षण एवं प्रकार, कानून तथा दण्ड।

[६] स्वतन्त्रता, समानता, अधिकार।

[७] राज्य के लक्ष्य तथा ध्येय के सिद्धान्त
व्यक्तिवाद, समाजवाद, साम्यवाद, अराजकतावाद।

[८] लोक कल्याणकारी राज्य।

सहायक ग्रन्थ

१. राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त	:	डॉ० पी० पाण्डेय एवं बबल
२. प्रमुख राजनीतिक विचार धारायें	:	पुखराज जैन
३. राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त	:	इकबाल नारायन
४. राजनीति शास्त्र व सरकार	:	गार्नर
५. राजनीतिक विचारधारायें	:	गणेश प्रसाद
६. राजनीति के मूल तत्व	:	जे० पी० सूद
७. राजशास्त्र के सिद्धान्त	:	परमात्मा शरण
८. राजशास्त्र के सिद्धान्त	:	बिसारिया
९. राजनीति के सिद्धान्त	:	ओम नागपाल
१०. राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त	:	पुखराज जैन
११. राजनीति विचारधारायें	:	ओम नागपाल

राजनीति विज्ञान

नवम प्रश्न पत्र

पूर्णांक १००

१. आधुनिक प्रमुख प्रणालियों की तुलनात्मक इंग्लैण्ड, संयुक्त राज्य

अमेरिका सभी-समाजवादी गणतन्त्र, तथा स्विटजरलैण्ड ।

सहायक ग्रन्थ :—

१. संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान	: के० एल० वर्मा
२. प्रमुख विदेशी संविधान	: साभरवल तथा गुप्ता
३. प्रमुख देशों की शासन प्रणालियां	: बी० एम० शर्मा
४. प्रमुख देशों की शासन प्रणालियां	: ओम नागपाल
५. आधुनिक प्रमुख शासन प्रणालियां	: ए० सी० जैन
६. प्रमुख शासन प्रणालियां	: पुखराज जैन

३ अर्थशास्त्र

अष्टम प्रश्नपत्र

पूर्णांक १००

विषय प्रवेश, उपभोग एवं उत्पत्ति

१—विषय प्रवेश :—अर्थशास्त्र की परिभाषा एवं विषय सामग्री, आर्थिक नियमों की प्रकृति, अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध, अर्थशास्त्र के विभाग और उनका पारस्परिक सम्बन्ध ।

२—उपभोग :—उपभोग का अर्थ एवं महत्व, उपभोग एवं उत्पादन में सम्बन्ध, मानवीय आवश्यकताएं और उनके लक्षण, आवश्यकताओं का वर्गीकरण। उपयोगिता की परिभाषा एवं प्रकार, सीमा, अर्थ, मांग का नियम, योग में वृद्धि एवं कमी । एंजिल का उपभोग नियम भारत में जीवन स्तर ।

३—उत्पत्ति :—उत्पत्ति का अर्थ एवं साधन ।

(अ) भूमि :—भूमि की विशेषताएं, उत्पत्ति के नियम, भारत के प्राकृतिक साधन और उनका आर्थिक महत्व, भारत में शक्ति के साधन, भारत की खनिज सम्पदा ।

(ब) श्रम का अर्थ :—श्रम की विशेषताएं, श्रम की कार्यकुशलता भारतीय कृषि श्रमिक ।

(स) पूंजी—पूंजी का अर्थ एवं कार्य, भारत में पूंजी संचय ।

(द) संगठन :—श्रम विभाजन, बड़े एवं छोटे पैमाने के उत्पादन उद्योगों का स्थानीयकरण एवं विकेन्द्रीकरण ।

(ई) आर्थिक प्रणालियां—समाजवाद, पूंजीवाद एवं मिश्रित अर्थशास्त्र का अर्थ एवं विशेषताएं ।

सहायक पुस्तकें—

१—अर्थशास्त्र के मूल तत्व	: दुबे एवं सिन्हा
२—आर्थिक सिद्धान्त	: डा० एच० सी० सिन्हा
३—अर्थशास्त्र के सिद्धान्त	: डा० देवेन्द्र प्रसाद सिंह

अर्थशास्त्र

नवम प्रश्न पत्र

पूर्णांक १००

विनिमय, वितरण, मुद्रा एवं करारोपण

१—विनिमय :—वस्तु विनिमय, इसकी उपयोगिता एवं असुविधा, बाजार का अर्थ, पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत बाजार एवं सामान्य मूल्य का निर्धारण ।

२—वितरण :—वितरण का अर्थ एवं परिभाषा।
[अ] लगान :—रिकार्डो का लगान सिद्धान्त, गहन एवं विस्तृत खेती
से लगान।

[ब] मजदूरी :—नगद एवं वास्तविक मजदूरी, समयानुसार एवं कार्यानुसार मजदूरी, निर्धारण में मांग व पूर्ति का सिद्धान्त। स्त्री एवं पुरुष श्रमिकों की मजदूरी में अन्तर के कारण।

[स] ब्याज :—कुल एवं शुद्ध, ब्याज की दर निर्धारण में मांग व पूर्ति का सिद्धान्त।

[द] लाभ :—लाभ, कुल लाभ व शुद्ध लाभ।

३—मुद्रा :—मुद्रा का अर्थ, कार्य महत्व, प्रामाणिक एवं सांकेतिक सिक्के।

४—कर :—कर का अर्थ, प्रत्यक्ष एवं परोक्ष कर के गुण एवं दोष, राज्य सरकार के आय-व्यय के मद।

सहायक पुस्तकें (प्रश्न पत्र षष्ठ तथा सप्तम् के लिए)

१.	अर्थशास्त्र के सिद्धान्त	: डा० व्ही० सी० सिन्हा
२.	,, ,,	: ओम प्रकाश केला
३.	,, ,,	: एम० एल० सेठ
४.	,, ,,	: के० के० ड्यूवेट
५.	,, ,,	: विजेन्द्रपाल सिंह
६.	अर्थशास्त्र दर्पण	: सक्सेना व सिंह

७. अर्थशास्त्र : टंडन
८. अर्थशास्त्र के मूलाधार : मेहता एवं अन्य

४=इतिहास

इतिहास के दो प्रश्न-पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र १०० अंकों का होगा।

अष्टम प्रश्नपत्र

पूर्णांक १००

प्राचीन भारत का इतिहास (आदिकाल से १२०६ ई० तक)

१. प्राचीन भारत- इतिहास के स्त्रोत।
२. सिन्धु घाटी सभ्यता।
३. वैदिक सभ्यता- पूर्वकालीन एवं उत्तरकालीन।
४. बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म।
५. महाजानपद काल षोडश जनपद एवं मगध का विकास।
६. विदेशी आक्रमण- ईरानी एवं यूनानी आक्रमण (सिकन्दर का आक्रमण)।
७. मौर्य वंश।
८. कुशाण वंश।
९. गुप्त वंश।
१०. हर्ष वर्धन।
११. राजपूतों का उदय-गुर्जर प्रतिहार, कलचुरी, चन्देल, परमार, चालुक्य, पल्लव, गहड़वाल, पाल।

१२. मुस्लिम आक्रमण–अरब आक्रमण, महमूद गजनवी एवं गोरी।

पुस्तकें :—

१. प्राचीन भारत का इतिहास : सत्यनारायण दुबे
२. प्राचीन भारत का इतिहास : डा० आर० एस० त्रिपाठी
: डा० राजबली पाण्डेय
३. प्राचीन भारत का इतिहास : डा० श्री नेत्र पाण्डेय

पूर्णांक १०

नवम प्रश्न पत्र

मध्यकालीन भारत का इतिहास–१२०६ ई० से १७०७ ई० तक

१—दिल्ली सल्तनत—
अ- गुलाम शासक
ब- खिलजी वंश
स- तुगलक वंश
द- सैयद एवं लोदी
ई- सल्तनत काल में समाज एवं शासन व्यवस्था।

२—मुगल वंश
अ- बाबर–भारतीय आक्रमण एवं साम्राज्य की स्थापना।
ब- हुमायूं एवं शेरशाह
स- अकबर
द- जहांगीर
ई- शाहजहां
फ- औरंगजेब
ब- शिवाजी

भ- मुगल साम्राज्य का पतन
म- मुगल कालीन समाज, संस्कृति एवं शासन व्यवस्था।

पुस्तकें—
(१) मध्यकालीन भारत का इतिहास (१२०६-१७०७) डा० आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव
(२) मध्यकालीन भारत का संक्षिप्त इतिहास— डा० ईश्वरी प्रसाद
(३) मध्यकालीन भारत— डा० एल० पी० शर्मा

५. भूगोल

अष्ठम प्रश्न पत्र

पूर्णांक १००

भौतिक भूगोल–पृथ्वी का बाह्य एवं अभ्यान्तरिक रूप, भूपटल एवं चट्टानें, अनाच्छादन के माध्यम पवन, हिम, जल, इनके कार्य और इनसे निर्मित भू आकृतियां सागरीय अपरदन। मौसम और जलवायु के प्रकार और उन पर आधारित प्रदेशों का वितरण।
प्रयोगिक भूगोल
१. मापक-कर्णवत एवं तुलनात्मक मानचित्रों का एकीकरण।
२. प्रक्षेपदान एवं बहुसंकर्षीय मरकेटर, मालवीड।

नवम प्रश्न पत्र

पूर्णांक १००

आर्थिक एवं मानव भूगोल—

विश्व के प्रमुख आर्थिक स्त्रोत–चावल, गेहूं, चाय, कहवा, रबर, कपास, कोयला, लोहा, पेट्रोलियम, स्वर्ण, आणुविक शक्ति के खनिज, ऊनी, रेशमी, एवं ऊनी वस्त्रोद्योग, लौह इस्पात, पोत-निर्माण, वायुयान निर्माण। जनसंख्या का विवरण, बस्तियों का वर्गीकरण एवं वितरण।

६. शास्त्री प्रथम वर्ष १९९९

समाजशास्त्र के मूल तत्व

अष्टम प्रश्न पत्र — पूर्णांक १००

समाजशास्त्र की परिभाषा, प्रकृति, विषय क्षेत्र।
समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ सम्बन्ध (अर्थशास्त्र इतिहास, भूगोल)

समाज, समुदाय, समिति, संस्था, जनरीतियां, प्रथा, रुढ़ियां सामाजिक संरचना का अर्थ एवं विशेषताएं।
सामाजिक समूह की परिभाषा, लक्षण, प्रकार, प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह।

सामाजिक नियंत्रण—

अर्थ परिभाषा, सामाजिक नियंत्रण के विभिन्न प्रकार।
भारत में सामाजिक नियंत्रण का महत्व।

पुस्तकें :—

१. समाजशास्त्र के मूलतत्व — एम० एल० गुप्ता एवं डी० डी० शर्मा

(प्राथमिक धारणाएं)

२. समाजशास्त्र के मूल तत्व — पोथन एवं टोंग्या
३. समाजशास्त्र — जी० के० अग्रवाल
४. समाजशास्त्र के मूलतत्व — आर० एन० मकर्जी

शास्त्री प्रथम वर्ष १९९९

भारतीय समाज

नवम प्रश्न पत्र — पूर्णांक १००

हिन्दू सामाजिक संगठन के आधार- आश्रम, वर्ण, संस्कार, पुरुषार्थ व्यवस्था।
कर्म की अवधारणा।

जाति प्रथा—

अर्थ, परिभाषा, जाति के उत्पत्ति के सिद्धान्त, जाति प्रथा को प्रभावित करने वाले कारक, भारत में जाति का भविष्य।

हिन्दूपरिवार—हिन्दू परिवार एवं उसकी विशेषताएं एवं परिवार के परिवर्ति प्रतिमान।

हिन्दू विवाह—अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, परम्परागत प्रकार, परिवर्तित प्रतिमान।

मुस्लिम विवाह एवं परिवार—परिभाषा, मुस्लिमों में विवाह की प्रथा, मुस्लिमों में मेहर की प्रथा, मुस्लिमों में तलाक।

ईसाई विवाह एवं परिवार—इसाई परिवार, विवाह की प्रथा विभिन्न रीति रिवाज।

विभिन्न सामाजिक समस्याएं—बाल विवाह, विधवा पुनर्विवाह, दहेज प्रथा। हिन्दू समाज में स्त्रियों की स्थिति।

पुस्तकें :—

१. भारतीय समाज एवं संस्कृति — गुप्ता एवं शर्मा
२. भारतीय समाज एवं संस्कार — आर० एन० मुकर्जी
३. भारतीय सामाजिक संस्थाएं — जी० के० अग्रवाल
४. भारतीय समाज एवं संस्कृति — डा० ठोम्या ।

प्रायोगिक भूगोल

(१) सांख्यकी रेखाचित्र-वितरण, मानचित्र (बिन्दु एवं छायाविधि द्वारा) ।
(२) मौसम पत्रक-दिये हुये वितरण से मौसम पत्रक का निर्माण ।

भूपृष्ठ का संचालन,

बस्तियों का वर्गीकरण एवं वितरण ।

अनुशंसित ग्रन्थ :—

१.	भौतिक भूगोल	: विश्वनाथ तिवारी
२.	प्राकृतिक भूवृत्त	: प्रो० जनार्दन प्रसाद श्रीवास्तव
३.	भौतिक भूगोल	: के. एम. एल. अग्रवाल
४.	मानव एवं आर्थिक भूगोल	: एस. डी. कौशिक
५.	मानव एवं आर्थिक भूगोल	: चतुर्भुज मामोरिया
६.	प्रकृयात्मक भूगोल	: प्रो. जनार्दन प्रसाद श्रीवास्तव
७.	प्रायोगिक भूगोल	: डा. बी. के. वर्मा

७. गृहविज्ञानम्

(केवल महिलाओं के लिये)

पूर्णांङ्क ७०

अष्टम प्रश्नपत्रम्

सैद्धान्तिक—

(खाद्यान्न, पोषण और आहार शास्त्र)

१. भोज्य पदार्थों की उपयोगिता के अनुसार वर्गीकरण ।
२. आहार शास्त्र तथा सन्तुलित आहार ।
३. खाद्य पदार्थों का अभिवचन, अभिशोषण तथा चयापचय ।
४. भोजन पकाने के उद्देश्य और विधि ।
५. कुपोषण, अल्प पोषण, उत्तम पोषण उनका स्वास्थ्य पर प्रभाव
६. खाद्यान्नों की ऊष्मा उत्पादकता ।
७. विशिष्ट आवश्यकतायें और आहार (योजना के अनुसार)
   द्वारा मान्यता प्राप्त खाद्यान्न ।
८. खाद्यान्न रखने के तरीके ।
९. भारत के विभिन्न प्रदेशों के आहार का तुलनात्मक मूल्यांकन ।

पूर्णाङ्क ३०

प्रायोगिक—

१. आदर्श रसोई घर रेखाचित्र
२. भोज्य पदार्थ, कीमत और पोषण तत्व (सूची)
३. कम कीमत में सन्तुलित आहार (तालिका)
४. सुरक्षित खाद्यान्न जाम, जैली सरबत, मुरब्बा, आचार ।

नवम प्रश्नपत्रम्

पूर्णांङ्क ७०

सैद्धान्तिक—

गृह प्रबन्ध और गृह विज्ञान

१. पारिवारिक आवश्यकतायें ।
२. धन, शक्ति तथा समय का प्रबन्ध ।
३. नियोजन नियंत्रण तथा मूल्यांकन ।
४. कार्य में सरलीकरण की विधियाँ ।
५. गृह कला, कला का महत्व और कला के सिद्धान्त ।
   (अनुरूपता, सन्तुलन, अनुपात, लय और दबाव) ।
६. रंग योजनायें और पुष्प सज्जा ।
७. तन्तुओं का वर्गीकरण ।
८. परिसज्जा की विशिष्ट प्रक्रियायें ।
९. व्यक्तिगत और घरेलू प्रयोग के लिये वस्त्रों का चुनाव ।

प्रायोगिक

पूर्णांङ्क ३०

१. भिन्न आय स्तरों के लिए आय-व्ययक योजना ।
२. रंगसंगती के नमूने ।
३. पुष्प सज्जा के सिद्धान्त ।
४. बुनाई के नमूने ।
५. बच्चे के सिर ऐप्रन और बाबासूट या फ्राक और पैंटी ।

(दोनों पत्रों के लिए)

सहायक पुस्तकें—

१. गृह कला तथा गृह प्रबन्ध : वि० शर्मा, भ० वर्मा
   लायल बुक डिपो, मेरठ २४

२. सरल गृह विज्ञान भाग १ और भाग २ : एस० पी० सुखिया, पी० पी० मेहरी, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी आगरा-३

३. उषा सिलाई शिक्षक सिलाई शिक्षक पाठ्यपुस्तक : जय इंजीनियरिंग वर्क्स लि० कलकत्ता-३१

4. Dalda Cook Book : Hindustan Livers Bombay

5. Our food (Hindi Edition. : M. & Bhagawan R. K. Ganesh & Co. Madras.

6. A. Guide to House Text-iles & Laundry work. : Durga Deulkar, Direaold Ctress Lady Irwin College, New Delhi

7. Human Nutrition Principles & Application in India : M. E. Midivitt & S. K. Mudaunbi Prentice Hall, New Delhi

८. बाल मनो विज्ञान : जगदानन्द पाण्डेय, तारा पब्लिकेशन वाराणसी।

८. भाषा विज्ञान

पूर्णांक १००

अष्टम प्रश्नपत्रम्

ध्वन्यात्मक भाषा विज्ञान का प्रारम्भिक परिचय

पूर्णाङ्क १००

नवम प्रश्नपत्रम्

ध्वनि विज्ञान का प्रारम्भिक परिचय

सहायक पुस्तकें :

सामान्य भाषा विज्ञान : डा० बाबूराम सक्सेना

भाषा शास्त्र की रूप रेखा : डा० उदयनारायण तिवारी

ध्वान विज्ञान : गोलोक विहारी ढल

संस्कृत संरचना : टी० बरो०

९. विज्ञानम्

विशेष—शास्त्री प्रथम वर्ष विज्ञान में वे विद्यार्थी प्रवेश पा सकेंगे जिन्होंने उत्तरमध्यमा ख' वर्ग में विज्ञान विषय लिया हो। प्रथम वर्ष में दो प्रश्नपत्र होंगे।

(क) रसायन शास्त्र (भौतिक रसायन, कार्बनिक रसायन)
(ख) जीव विज्ञान

अथवा

भौतिक विज्ञान (साधारण द्रव्यविज्ञान, ध्वनि तथा ऊष्मा)
भौतिक विज्ञान जीव विज्ञान के विकल्प में) वे ही छात्र ले सकते है जिन्होंने उत्तरमध्यमा मे गणित विषय लेकर उत्तीर्ण किया हो।

सिद्धान्त के प्रत्येक प्रश्नपत्र ७० अंक के होंगे, अर्थात ७० अंक सिद्धान्त के लिये निर्धारित हैं और ३० अंक प्रत्येक प्रश्नपत्र में प्रायोगिक परीक्षा के लिए है। सिद्धान्त में कुल १४० (७०+७ अंक है)

सिद्धान्त में उत्तीर्णता हेतु आवश्यक है कि ३३ प्रतिशत अंक प्राप्त किये जायें अर्थात २४० अंकों में से कम से कम ४६ अङ्क प्राप्त करना आवश्यक है।

प्रायोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण हेतु ६० अंक (३०+३०) का भी ३३ प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है अर्थात १२ अंक से प्राप्त करना होगा। प्रयोग पुस्तिका आवश्यक है।

रसायन शास्त्र के साथ जीवविज्ञान और भौतिकविज्ञान में से एक विषय ही लेना अनिवार्य होगा।

रसायन शास्त्र

१००

अष्टम प्रश्नपत्रम्

सैद्धान्तिक (भौतिक, रसायन, Physical Chemistry) ७०

आधुनिक धारणाओं के आधार पर रसायन शास्त्र के अध्ययन के लिए भौतिकी रसायनिक का अध्ययन। रसायनिक संयोजकता केनियम, परमाणु सिद्धान्त तथा परमाणुभार।

तत्वों का वर्गीकरण परमाणु रचना, प्राथमिक ज्ञान रेडियो एक्टिविटी एवं आइसोटोप संयोजकता (Valendy) इलेक्ट्रोनिक सिद्धान्त,

द्रव्य की गैसीय अवस्था, तथा द्रव्य के नियम। वेण्डवाल (Vanderwal) का सूत्र।

ऊष्मागतिकी के प्रथम एवं द्वितीय नियम।

ऊष्मागतिकी का रसायननिक संतुलन।

घोल का विद्युत रसायन (Electro-Chemistry)

कार्बनिक रसायन

कार्बनिक रसायन के दो प्रधान भागों में मुख्य यौगिकों का अध्ययन सन्तृप्त हाइड्रोकार्बन या पैराफिन पेट्रोलियम तथा आसवत पेट्रोलियम पदार्थ असन्तृप्त हाइड्रोकार्बन, एथिलीन, एसिटिलीन, इथिलअल्कोहल, एडलीहाईड, फार्मलडीहाईड, एसीटोन, पलीफैठिक

या वसीय अम्ल, एसिटिक अम्ल, वसीय अम्लों का यौगिक एस्टर तेल, वसाग्लिसरोल, कार्बोहाइड्रेट, ग्लूकोज, फुकटोज, मुकरोज, स्टार्च ल्यूकोज, अमानी अम्ल।

सौरिभिक हाइड्रोकार्बन, कोलतार और उसका अवसन, बेनजीन साधारण गुण, उत्पादन उपयोगिता, फिनाल उत्पादन उपयोगिता।

प्रधान-प्रधान कार्बनिक रासायनिक क्रियाओं का तथा यौगिकों का अध्ययन रचना के आधार पर कार्बनिक रासायनिक क्रियाओं का सम्बन्ध।

औद्योगिक उपयोगिता तथा प्रयोजनीयता के आधार पर कार्बनिक रसायन का अध्ययन।

प्रायोगिक (रसायन-शास्त्र)

ब्युरेट तथा पीपेट का शुद्धीकरण कार्बनिक यौगिकों का परिशोधक केलासन (Crystallisation) आसवन (Distilation) उर्ध्वपातन (Sublimation) गलांक तथा गलांक की जांच ग्लूकोज, फुक्टोज, शर्करा, आक्सोलिक (Oxalic) अम्ल, स्टर्च एलडेहाइड, कटीन फीनोल तथा अलओहल की जांच।

जीव विज्ञान (वनस्पति विज्ञान तथा प्राणि विज्ञान)

नवम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: १००

(भौतिक विज्ञान के विकल्प में)

सैद्धांतिक—

मनुष्य के सन्दर्भ में वनस्पति तथा प्राणियों की प्रमुख विशेषतायें। जीव कोष (Cell) जीवों में समानता तथा एकता। साइटोजेनेटिक्स-सांतानिकी (जिनेटिक्स) के प्रमुख नियमों का अध्ययन। विशेषरूप से कोष विभाजन और (Gene) का कार्य तथा जीव रासायनिकी (Bioebemistay) के दृष्टिकोण से और जीन की आधुनिक व्याख्या। बीजधारी पौधों की आकृति तथा क्रियायें बाह्य आकार की तथा भौतिकी (Morphology andHictology) एवं कायकी (Physiology) वनस्पति आकार का एव वर्गीकरण आकृति प्रजनन एवं वर्गीकरण का नियम समूह एवं प्रायोगिक विधि वनस्पतियों की पहचान।

औद्योगिक तथा परिस्थितिक की वनस्पति शास्त्र की दृष्टि से प्रमुख पौधों का परिचय तथा पहचान :—

ग्रामिनी (Craminae) पामी (Palmae) कुमीफेरी (Gancifeeae) लेग्युमीनोसी (Legumlnosae) युफोर्बीस (Euphorbiaceae) अमबेलाफेरी (Umbellifeae) लेबीयिटी (Lubiatae) सोलनेसी (Solanaeeae) कुकरबीटेसी (Cucrbitaceac) तथा कम्पोजीटी (Compositae)

पौधों से मनुष्य को लाभ—खाद्य पदार्थ अन्य, दाल, शाक, फल, वसा तेलादि, चीनी एवं मसाले, पेय वस्तु-चाय, काफी कोको मदिरा। तन्तुमय पदार्थ ईंधन निर्माण काष्ठ, चारा (Fooder) अम्ल प्रमात्मीय तथा विषैली वस्तुयें (Narcotics& Poisionsous) औषधियाँ, सुगन्ध द्रव्य तथा रंग रबर इत्यादि।

प्रायोगिक अंश (जीव विज्ञान)

१. पौधों का अवलोकन, पौधों का व्यवच्छेद (Dissection) के साथ पहचान तथा वर्गीकरण (Classification) सिद्धांत पाठ्यक्रम में दी हुई सूची में से सब पौधों की।

२. साधारण पौधों (Common Plants) को देखकर तत्काल पहचानना।

३. पौधों की भौतिकी हेतु अनुप्रस्थ सेक्शन (Transverse Sectiana) काटना एवं प्रत्येक अङ्ग को पहचानना। ग्लीसरीन का माउन्ट।

४. फिजियोलाजी की प्रयोग तथा उपकरण की पहचान एवं व्याख्या।

५. सामान्य माइक्रोकेमिकल जाँच (Simple Microchemical tests) स्टार्च सेलुलोज लीगनीन तथा वसा के लिए।

६. क्रिप्टोगेमस (Crypto ams) पौधों की पहचान तथा वर्गीकरण।

७. वनस्पति विज्ञान सम्बन्धी स्लाइट तैयार करना सीखना।

८. खुले मैदानों (Oqen Fieldes) में से पोधों का अंगों के का सङ्कलन तथा प्रकृति में पौध जगत का अध्ययन।

(Nature Study and Collection of Plants Materials)

अथवा

भौतिक विज्ञान

(जीव विज्ञान के विकल्प में)

सैद्धान्तिक ३०

सामान्य द्रव्य विज्ञान (साधारण)

इकाइयां तथा (Dimensions) गति नियम, गुरुत्वाकर्षण तथा केप्लर का नियम, गुरुत्वजन्य वेग वृद्धि, संयुक्त दोलक समय की इकाई (Gyryscope)।

स्थिति स्थापकता, हुक का नियम। यङ्ग गुणांक (Youg's Modulus)।

पृष्ठ तनाव (Surface Tension)—पृष्ठ तनाव निकालने की विधि। ध्वनि की प्रकृति, सरल आवर्त गति, प्रगतिशील एवं स्थायी तरङ्गें (Progrossive & Stationary Waves), कम्पन अनुनाद, हेल्म होल्ट्स अनुनादक (Helmholtz's Resonatrot) अनुनादिक कम्पन, ध्वनि का वैयक्तिकरण, ध्वनि का वेग तथा वेग निकालने की विधि।

सुरीली ध्वनि तथा उसकी विशेषताएं, ग्राम तारता। तारता निकालना तथा डापलर का प्रभाव, डोरों का कम्पन, वायु स्तम्भों के कम्पन, छड़ का अनुप्रस्थ कम्पन, वाद्ययन्त्र तथा दैहिक ध्वनि विज्ञान ध्वनि ग्रहण तथा पुनरुत्पादन। अति उच्च ध्वनि (Ultras onics)।

ऊष्मा—गैस तापमापी, ताप मापन (Calorimetry), अवस्था परिवर्तन, भाप दबाव (Vapour pressure), ताप का यान्त्रिक तुल्यांक ऊष्मागति की प्रथम एवं द्वितीय नियम (First and Second Laws of the modynamics), गैसों का गत्यात्मक सिद्धान्त, जूल थामसन का प्रभाव (Joule Thompson's efiect), ताप का गमन।

प्रायोगिक (भौतिक विज्ञान) ३०

१. संयुक्त दोलक द्वारा 'g' का मान निकालना।

२. यन्त्र का गुणाक निकालना।

३. जल का पृष्ठ तनाव (Surface Tension) निकालना।

४. जल का श्यानता (Viscosity) निकालना।

५. ध्वनि का वेग निकालना कुन्द (Keedd्t) की नली द्वारा।

६. वारम्बारता (Frequency) ट्यूनिंग फार्क द्वारा निकालना।

७. शीतलीभवन के नियम द्वारा किसी द्रव्य का विशिष्ट ताप ज्ञात करना।

८. वैज्ञानिक विधि द्वारा किसी ठोस का विशिष्ट ताप निकालना।

९. सरल उपकरण द्वारा ताप का यान्त्रिक तुल्यांक 'J' निकालना।

पाठ्य पुस्तक---

पालित एस० आर०	: आरम्भिक रसायन (Elementary Physical Ceemistry)
बहल एवं तुली	भौतिकी रसायन (Essentials of Physical cnemistry)
सरकार एवं रक्षित	: कार्बनिक रसायन शास्त्र (Organic Chemistry for P. pass course)
बाडवे	: प्रायोगिक कार्बनिक रसायन (Introduction to Practical Organic Chemistry)
पार्किन एवं पिकिंग	: ~ कार्बनिक रसायन शास्त्र
हूर्ब जिन्वस- रासायनिक	गणना
तुली एवं सोनी-भौतिक रसायन	(Refresher the course in B. Sc. Physical Chemistry)

तुली एवं सोनी-भौतिक रसायन	: Ref. the course in B. Bc. Organic Chemistry.
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (हिन्दी प्रकाशन)	: द्रव्य के सामान्य गुण ताप और उष्मा गतिकी
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय अरोरा	: ध्वनि विज्ञान प्रायोगिक भौतिकी भौतिक विज्ञान Refreshe. Course in B. Sc. Physics
आधुनिक जीवविज्ञान [illegible]	: Foundations of Modern Biolcgy Sefies Psentice Hall
कार्ल पी स्वानसन	: कोशिका (The Cell)
बि० डी० मेकलराय	: कोशिका कार्य की और जीव रसायन (Cell Physioloy & Bio-Chemistry)
बोनर एवं मिल्स	: आनुवंशकीय (Heredity)
वालेस एवं सर्व	: अनुकूलन (Adoptation)
सुस्मैन	: प्राणियों वृद्धि तथा परिवर्धन (Animni Growth &)
सिमटनोस्सन	प्राणी शरीर का किया विज्ञान (Animal Physiology)

हेग्मन : जन्तु विविधता (Animal Fiversity)

इम्बिवर तथा स्टेनर : प्राणी व्यवहार (Auimal Behaviour)

मल्सटन : हरे पौधे का जीवन (The life of the green Plant)

हैरौल्ड सी० बोल्ड-वनस्पति जगत : (The plant Kingdom)

बेटीस : सृष्टि का मानव (Man in Nature)

लेवीट : वनस्पति कार्यकी (Plant Physiology)

मेकलीन तथा कुक : Text book of Theoritical (Botany All the volomes (Vols. I to IV)

मैकलीन तथा कुल : Tixt book of Practical Botany'

होल्ट राइनहर्ट एवं विन्सटन : आधुनिक जीवन विज्ञान

लेवाइन (Levine) : Genetics

लोबे : Cell Structure & Function

ओडम (Odum) : Ecology

रे (Ray) : Living Plant

सिस्ट्रम (Sistrom) : Microbial

वागनर (Wagner) : Plant Diversification

विलिस (Willie) : A Dic:onary of Flowering plants & Ferm.

तनर एवं गाल्सटोन : Principles of plont Physiology.

डेविडसन : Biochemistry of Nuelaie-bacs

गांगुली, दास एवं दत्त : College Botany.

[illegible]	: Economic Botany
[illegible] [है]	: Plant Bio-Chemistry
[illegible] एवं [illegible]	: Plant Ecology
[illegible]	: Medicinal Plants of India and pakistan.
[illegible]	: Evolurion, Variation and Heredity.

——:००:——

१२. भारतीय संगीत

इस वर्ष की परीक्षा में लैखिक परीक्षा के दो प्रश्न पत्र होंगे तथ प्रत्येक का समय ३ घण्टे होगा। साथ ही क्रियात्मक परीक्षा भी होगी प्रत्येक प्रश्न पत्र ५०-५० अंक के होंगे और क्रियात्म परीक्षा के १० अंक मिलाकर २०० अंक होंगे। विद्यार्थियों को लैखिक तथा क्रियात्म परीक्षा में अलग-अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

विद्यार्थियों को गायन अथवा तन्त्रवाद्य अथवा तालवाद्य में एक विषय लेना होगा।

लैखिक

अष्टम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक ५०

भारतीय संगीत

नोट—यह प्रश्नपत्र गायन, तन्त्रवाद्य, तालवाद्य तथा नृत्य इन चारों के लिये अनिवार्य है।

१—निम्नलिखित की जीवनी तथा देन के विषय में जानकारी :—
स्वामी हरिदास तानसेन, रहीमसेन, अमृतसेन, विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, विष्णु नारायण भातखण्डे, कुदौ सिंह, पण्डित रामसहाय (तबला वादक)।

२—गायक एवं वादक के गुण-दोषों का वर्णन।

३—ताल रचना :—

मात्रा, लय, विलम्बित, मध्य, द्रुत, सम, ताली, खाली, दुगुन और चौगुन का प्रारम्भिक ज्ञान (भातखण्डे लिपि में लिखना) दादरा, कहरवा, तीन ताल और चारताल।

४—भारतीय संगीत के विकास की रूपरेखा :—

(क) संगीत की उत्पत्ति के विषय में विद्वानों के विचार।
(ख) भारतीय इतिहास के प्राचीन काल में संगीत की प्रमुख परम्पराओं की रूपरेखा—वैदिक संगीत, गाथा काल (रामायण, महाभारत काल) मौर्य गुप्तकाल।

५—कतिपय महत्वपूर्ण व्यावहारिक शैलियों पर सामान्य टिप्पणियाँ लिखना :—

बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल, ध्रुपद, रजाखानीगत, मसीतखानीगत लहरा, सोलो वादन (एकल वादन) तथा साथसंगत।

६— स्वर प्रकरण केवल साधारण ज्ञान, क्रियात्मक की आवश्यकता नहीं। वाद, ध्वनि स्वर सप्तक (मन्द्र, मध्य, तार), आरोह, अवरोह, अलंकार (पल्टा)।

७— संगीत से सम्बन्धित सामान्य विषयों पर निबन्ध।

खण्ड (अ) गायन

नवम प्रश्न पत्र — पूर्णांक ५०

सैद्धान्तिक

१— समय सिद्धान्त :—पूर्व, उत्तर तथा सन्धि प्रकाश राग।

२— राग रचना तथा उसके विशिष्ट लक्षण।

३— स्वरांकन अथवा स्वरलिपि पद्धतियों का ज्ञान। भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर पद्धति।

४— स्वर, राग एवं ताल पहचान-लिपि की सहायता से राग तथा ताल की पहचान।

५— पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय ज्ञान—
(१) हमीर (२) केदार (३) विहाग (४) भीमपलासी
(५) बागेश्री (६) जौनपुरी (७) यमन (८) भूपाली

३— निम्नलिखित तालों का ज्ञान तथा उसकी दुगुन लिखने का अभ्यास :—दादरा, तीव्रा, कहरवा, एकताल, झपताल, चौताल तिलवाड़ा, तीनताल।

७— पाठ्यक्रम के रागों की बंदिशों के स्वरलिपि लिखना (कोई चार बड़े ख्याल, आठ द्रुत ख्याल, एक ध्रुपद, एक तराना।

खण्ड (ब) तन्त्रवाद्य

नवम प्रश्न पत्र — पूर्णांक ५०

सैद्धान्तिक

१— पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय ज्ञान—हमीर, केदार, विहाग भीमपलासी, जौनपुरी, यमन, भूपाली।

२— निम्नलिखित तालों का ज्ञान तथा उनकी दुगुन लिखने का अभ्यास दादरा, तीव्रा, कहरवा, झपताल, चौताल, तिलवाड़ा और तीनताल।

३— स्वर, राग तथा ताल पहचान :—लिपि की सहायता से राग तथा ताल की पहचान।

४— समय सिद्धान्त :—पूर्व, उत्तर तथा सन्धि प्रकाश राग।

५— राग रचना तथा उसके विशिष्ट लक्षण।

६— स्वरांकन अथवा स्वरलिपि पद्धतियों का ज्ञान : भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर (पद्धति)।

७— पाठ्यक्रम के रागों को शैलियों में स्वलिपि लिखना—
(क) उपयुक्त किन्हीं चार रागों में मसीतखानी गत तीन तोड़ों सहित अथवा चार बड़े ख्याल तीन तानों सहित।
(ख) प्रत्येक राग में एक रजाखानी गत पाँच तोड़ सहित अथवा पाँच छोटेख्याल चार तानों सहित।

खण्ड (स) ताल वाद्य

पूर्णांक ५०

प्रथम प्रश्न पत्र

सैद्धान्तिक

१. तबला तथा बायें का वर्णन और उनका संक्षिप्त इतिहास ।
२. मृदंग का वर्णन एवं उसका संक्षिप्त इतिहास ।
३. तबला तथा बाया पर निकलने वाले वर्णों का पृथक-पृथक एवं संयुक्त ज्ञान ।
४. निम्नलिखित तालों के ठेकों का ज्ञान—दादरा, कहरवा, झपताल एकताल, चौताल, त्रिताल, तिलवाड़ा ।
५. ताललिपि पद्धतियों का संक्षिप्त ज्ञान—भात खंडे तथा विष्णु दिगम्बर पद्धति ।
६. तबले के दो घरानों का संक्षिप्त ज्ञान – दिल्ली तथा बनारस ।
७. पाठ्‌क्रम के तालों को ताललिपि में लिखना ।
   (क) त्रिताल में—तीन कायदे और उनके पल्टे, दो मुखड़े दो टुकड़े, दो परन तथा दो तिहाई ।
   (ख) झपताल और एक ताल में दो दो कायदे और उनके पल्टे तथा दो मुखड़े ।

खण्ड (अ) (कंठ संगीत)

क्रियात्मक

पूर्णांक १००

१. स्वर की पहचान तथा पुनरुच्चारण ध्वनि की सहायता से स्वर राग

तथा काल की पहचान ।

२. एक भजन ।

३. विद्यार्थी का तानपुरा तथा तबले की सहायता से गाना होगा ।

४. पाठ्‌क्रम में निर्धारित राग तथा ताल ।

(क) केदार, हमीर, बिहाग, भीमपलासी, बागश्री, जौनपुरी, यमन, भूपाली ।

(ख) दादरा, तीव्रा, कहरवा झपताल, चौताल, एकताल, त्रिताल तिलवाड़ा ।

गायन के विषय में निम्न जानकारी—

क. बड़ा ख्याल–चार (चार तान अलाप के सहित)
ख. छोटा ख्याल–आठ ” ” ”
ग. तराना–एक
घ. ध्रुपद–एक
ङ. स्वर मालिका – पाठ

खण्ड (ब) तन्त्र वाद्य

क्रियात्मक

पूर्णांक १००

१. प्रत्येक विद्यार्थियों को तबला संगत के साथ बजाना होगा ।
२. पाठ्यक्रम में निर्धारित तथा ताल ।

(क) हमीर, केदार, बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी, जौनपुरी, यमन, भूपाली ।

(ख) दादरा, तीवा, कहरवा, झपताल, एक ताल, चौताल, तिलवाड़ा, त्रिताल ।

३. वादन में निम्नांकित अपेक्षित है :

(क) चार मसीतखानी गतें कम से कम तीन तोड़ों सहित अथवा चार बड़े ख्याल कम से कम तीन तानों सहित [ख्याल अंग से बजाने के लिये] ।

(ख) प्रत्येक राग में एक रजाखानी गत पाँच तोड़ों के सहित अथवा पाँच छोटे ख्याल या तराना पाँच तानों के सहित ।

४. किन्हीं दो रजाखानी गतों में झाला बजाने का ज्ञान ।

खण्ड (स) तालवाद्य

क्रियात्मक पूर्णांक १००

१. निम्नलिखित तालों के ठेके का ध्यान :—
त्रिताल, झपताल, दादरा, कहरवा, तिलवाड़ा, विलम्बित, एक-ताल तथा चौताल ।

२. तीन कायदे और पल्टे, तीन मुखड़े, तीन मोहरे, दो परन तथा दो तिहाइयाँ सहित मध्यम में त्रिताल ।

३. उपर्युक्त तालों को दुगुन तथा चौगुन लय में बजाना ।
४. दो कायदे और उसके पल्टे तथा दो मुखड़े झपताल तथा एकताल ।

११. शिक्षा

इस विषय में दो प्रश्नपत्र होंगे, प्रत्येक प्रश्नपत्र ३ घन्टे तथा १०० अंकों का होगा ।

अष्टम प्रश्नपत्र

पूर्णांक १००

शिक्षा शास्त्री एवं शिक्षा में नवीन प्रवृत्तियाँ

शिक्षा का अर्थ, उद्देश्य पाठ्यक्रम एवं विधि के सम्बन्ध में निम्नांकित शिक्षा शास्त्रियों के योगदान का अध्ययन ।

हर्बार्ट, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, रवीन्द्रनाथ टैगोर, जान ड्यूई ।

बाल केन्द्रित शिक्षा विद्यालय में आत्म-अनुशासन व स्व-शासन पर आधारित पाठ्यक्रम, शिक्षा में खेल विधियों का समन्वय ।

नवम प्रश्नपत्र

पूर्णांक १००

भारतीय शिक्षा का इतिहास

स्वतन्त्रता के पूर्व प्राचीन तथा मध्य कालीन भारत में शिक्षा का संक्षिप्त विवरण, आधुनिक शिक्षा का प्रारम्भ, अंग्रेजी शासन काल में निम्नांकित युगान्तरकारी शैक्षणिक परिवर्तनों का अध्ययन :—

१८१३ का चार्टर, शिक्षा में निस्यन्दन का सिद्धान्त, मैकाले का विवरण पत्र, वुड का शिक्षा घोषणा पत्र (१८५४) हन्टर कमीशन (भारतीय शिक्षा आयोग १९८२)।

लार्ड कर्जन का भारतीय इतिहास में योगदान, गोखले का भारतीय शिक्षा में योगदान, सैडलर कमीशन (कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग) हर्टाग समिति, ऐबट एण्ड वुड रिपोर्ट, जाकिर हुसैन समिति एवं वर्धा शिक्षा योजना, सार्जेन्ट योजना।

राष्ट्रीय आन्दोलन का शिक्षा पर प्रभाव, राष्ट्रीय शिक्षा की मांग, राष्ट्रीय शिक्षा की विशेषताएँ, राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थायें।

SHAS [R] Part I

ENGLISH LITERATURE (Optional)

There Shall de two papers of 100- Marks each for three hours duration.

PAPER-VIII — 100 marks

Text for intensive study :

The Merchant of Venice (abridged)

The allocation of marks sball be :

—Three passages for explanations each carrying ten marks.	30 marks
—Three texual queastions each carrying 22 marks,	66 marks
—Marks reserved for good writing	04 marks

PAPER IX

Thers shall be two sections in this paper. Section A, carrying 75 marks, shall be devoted to poetry and section B carrying 25 marks–shall be devoted to poetic forms and Shakespearean Comedy.

The follwing poems are prescribed for detailed study from palgrave's Golden freasury.

S. T. Coleridge : Rime of the Ancient Mariner John
Keats : La Belle de Sans Merci
Ode to a Nightingale'

Marks are further detailed here as under :—

SECTIGN—A

—Three passages for explanation each. 30 marks
carrying 10 marks.
—Three texual questions on poetry each 45 marks
carrysng 15 marks.

SECTION—B

—Two questions of 13 and 12 marks each on
poetic forms and Shakespearean Comedy.
25 marks

The text book for Section B :

Background to the study of Englssh Literature by :
B. Prasad.

ऐच्छिक अतिरिक्त विषय

अंग्रेजी

Mark 100

Text :—Current English for Language skillis.
(Macmillan) except lessons 6, 7 and 14
There shall be one paper of 100 marks. The scheme of examinatin shall be as follows.

[1] Textual questions. 50
[a] Short-answer questions.
[b] Essay type questions.
[c] Multiple choice questions.
Use of words and Phrases

[2] Grammar २५
Tenses, Voice, narration, Common errors, Articles, Questions on grammer will be of the standard of W S. Allen, Liven, English structure (Longmans) Elementary exercises.

[3] Composition
[a] Comprehension questions based on a passage from the text. 15
[b] Letter writing 10

Books recommonded :
Ganguli & wood, General English tor three years degree course (Macmillan).

प्राच्य संस्कृत संकाय

परीक्षा योजना

शास्त्री द्वितीय वर्ष परीक्षा

क्रमांक	विषय	प्रश्न-पत्र	पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
१	२	३	४	५
(अ) अनिवार्य विषय :—				
आधार पाठ्यक्रम :—				
(क) सामान्य जागरूकता		प्रथम	५०	५०
(ख) भाषा ज्ञान हिन्दी		द्वितीय	५०	
(ग) भाषा ज्ञान अंग्रेजी		तृतीय	५०	
(घ) संस्कृत		चतुर्थ	१००	३३
(ब) वैकल्पिक "क" वर्गीय विषय (कोई एक)				
१. वेद		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
२. व्याकरण		पंचम	१००	३३
		षष्ठम	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
३. साहित्य		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
४. दर्शन		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३

१	२	३	४	५
(२) जैन दर्शन		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
५. ज्योतिष		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	८०	२७
		प्रायोगिक	२०	७
६. धर्मशास्त्र		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
७. पौरोहित्य		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
८. पुराणेतिहास		पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३

१	२	३	४	५
(ख) वैकल्पिक 'ख' वर्गीय विषय (कोई एक)				
१. हिन्दी	अष्टम	१००	३३	
	नवम	१००	३३	
२. राजनीति विज्ञान	अष्टम	१००	३३	
	नवम	१००	३३	
३. अर्थशास्त्र	अष्टम	१००	३३	
	नवम	१००	३३	
४. इतिहास	अष्टम	१००	३३	
	नवम	१००	३३	
५. भूगोल	अष्टम	१००	३३	
	नवम	१००	३३	
६. समाज शास्त्र	अष्टम	१००	३३	
	नवम	१००	३३	
७. गृह विज्ञान	अष्टम (सैद्धांतिक)	७०	२३	
	नवम (सैद्धांतिक)	७०	२३	
	प्रायोगिक	६०	२०	

१	२	३	४	५
८. भाषा विज्ञान		अष्टम	१००	३३
		नवम	१००	३३
९. विज्ञान :—				
(क) रसायन शास्त्र		अष्टम	७०	२३
		प्रायोगिक	३०	१०
(ख) जीव विज्ञान अथवा भौतिक विज्ञान		नवम	७०	२३
		प्रायोगिक	३०	१०
१०. संगीत				
भारतीय संगीत		अष्टम	५०	१७
१. खण्ड (अ) कण्ठ संगीत (सैद्धां.)		नवम	५०	१७
		प्रायोगिक	१००	३३
२. खण्ड (ब) तंत्र वाद्य (सैद्धां.)		नवम	५०	१७
		प्रायोगिक	१००	३३
३. खण्ड (स) तालवाद्य (सैद्धां.)		नवम	५०	१७
		प्रायोगिक	१००	३३

१	२	३	४	५
११. शिक्षा		अष्ठम	१००	३३
		नवम	१००	३३

(द) ऐच्छिक अतिरिक्त विषय :—

१. अंग्रेजी	एक प्रश्न पत्र	१००	३३

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग

शास्त्री द्वितीय वर्ष

आधार पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्नपत्र

सामान्य चेतना घटक

पूर्णांक : ५०

विज्ञान और भारत

इकाई I

विज्ञान एवं उसका इतिहास

(अ) विज्ञान : परिभाषा, शाखाएँ, संक्षिप्त इतिहास ।

(ब) महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आविष्कार एवं हमारी जीवन शैली पर उसका प्रभाव ।

इकाई—II

हमारा ब्रह्मांड एवं जीवन

(अ) हमारी पृथ्वी और सौर मण्डल ।

(ब) जीवन : उद्भव, विकास, विशिष्ट भारतीय प्राणी एवं वनस्पतियाँ ।

इकाई—III

आहार एवं स्वास्थ्य

(अ) कृषि एवं पशुपालन ।

(ब) भोजन, पोषण, खाद्य संरक्षण एवं अपमिश्रण ।

इकाई—IV

पदार्थ एवं प्रौद्योगिकी

(अ) पदार्थ की अवस्थाएँ, संरचना ।

(ब) प्रौद्योगिकी : इलेक्ट्रानिकी, संचार एवं अंतरिक्ष ।

इकाई—V

हमारे वैज्ञानिक एवं संस्थान

(अ) हमारे प्रमुख वैज्ञानिक :
(कणाद, चरक, सुश्रुत, आर्यभट्ट, नागार्जुन, जगदीशचन्द्र बसु, चन्द्रशेखर, वेंकटरमण, श्री निवास रामानुजन, होमी जहाँगीर भाभा, बीरबल साहनी) ।

(ब) भारत के वैज्ञानिक संस्थान (प्राचीन एवं आधुनिक) ।

पाठ्य पुस्तक के लिये मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित और म० प्र० हिन्दी ग्रन्थ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तक ही मान्य पाठ्य पुस्तक होगी ।

शास्त्री द्वितीय वर्ष

आधार पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र

हिन्दी भाषा

अधिकतम अंक ५०

१. हिन्दी के वाग्भाग (पार्ट्स आफ स्पीच) प्रयोगगत अध्ययन—

(क) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण

(ख) क्रिया, क्रिया विशेषण

(ग) कारक (परसर्ग) ।

२. हिन्दी में समास, संधि एवं संक्षिप्तियाँ—

(क) समास-रचना एवं प्रकार

(ख) संधि-नियम एवं प्रकार

(ग) संक्षिप्तियाँ ।

३. हिन्दी में सार लेखन, पल्लवन, निर्देशित निबन्ध लेखन—

(क) सार लेखन

(ख) पल्लवन

(ग) निर्देशित निबन्ध लेखन ।

(घ) प्रारूपण, टिप्पण समाचार लेखन ।

५. हिन्दी के पारिभाषिक एवं तकनीकी शब्द—

(क) पारिभाषिक शब्द निर्माण के आधार

(ख) हिन्दी के एक सौ पारिभाषिक शब्द प्रशासनिक, मानविकीय वाणिज्यकीय, न्यायिक

(ग) हिन्दी के पचास तकनीकी शब्द ।

६. हिन्दी के मुहावरे लोकोक्तियाँ—

(क) सौ मुहावरे, अर्थ एवं प्रयोग

(ख) सौ लोकोक्तियाँ, अर्थ एवं प्रयोग

(ग) भाषा का आधुनिकीकरण, अर्थ और प्रयोग ।

टीप—पुस्तक में प्रथम वर्ष के संग्रह की भाँति पाठ्य रचना अंश का भी समावेश किया जावे ।

इस पाठ्य-पुस्तक के लिए मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित और मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तक ही मान्य पाठ्य-पुस्तक होगी ।

---:o:---

Shastri II

FOUNDATION COURSE

Component III

ENGLISH LANGUAGE

M. Marks :50

OBJECTIVES :

Unit I :

Languistic Content :

The grammatical items covered in B. A,/B. Sc./B. H, Sc./B. Com. Part I should be reinforced. Extention of vocabulary and collocations should be aimed at during the course.

Unit II :

Reading :

Systematic practice should be provided in reading with fluency and understanding, through course materials that are interesting to students and are controlled and graded in terms of language, such materials should be exploited for two main pur-

poses, viz. the development of good reading habits. and a rapid expansion of the learner's vocabulary. The course should ensure that the student is exposed to varied reading material.

Unit III :

Writing :

Graded practice should be provided in the basic tasks of composition. The organization of larger pieces of writing should now receive acttention. Such work on composition should also be used (a) to provide practice in the machani cs of writing (punctuation, subtiting, uuderlining, the use of parenthesis aed abbreviations), and (b) to remedy students' debeciencies in grammatical structures aud spelling,

Unit IV :

Speaking :

The context of vocabulary teaching and oral reading should be used to strengthen students' awareness of the sound distinctions, stress and intonation in English. An attempt should be made to develop in them the habit of using a dictionary for information on sounds and stress, and the ability to carry out in speech the information so obtained.

Unit V :

Communication skills :

The development of these through selected passsages

representing contemporary English should be stressed.

To achieve the above objeetives, the following testing pattern is prescribed :

1. 05 Short-answer questions based on the prescribed text, 10 marks.
2. (a) 05 questions on the vocabulary items introduced in the text book (use of words, collocations, phrases ets.) 05 marks,
   (B) One unseen passage for comprehension. 05 marks.
3. A short report of about 200 words. 10 marks,
4. Expansion of an idea in about 200 words. 10 marks.
5. 15 questions on various grammatical items explained in the exercises of the text book, to be asked and 10 to be attempted. 10 marks

---

The book sponsored by M. P. Ucheha Shiksha Anudan Ayog and published by M. P. Hindi Granth Academy is the prescribed text book for this syllabus.

अनिवार्य विषयः

संस्कृतम्

तृतीय

पूर्णांका: १००

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् — ३० अंका:

(क) विक्रमोर्वशीयम (कालिदास विरचित) — ४५ अंका:

(ख) गौरीगिरीशम् (सम्पूर्णम्)
श्रीकृष्ण प्रसाद शर्मा घिमिरे
'काव्य प्रसाद ढकाल गहिरी धारा'
(काठमाण्डू नेपाल)
प्राप्ति स्थान (भारतीय वितरक) प्राणालोक,
विश्वविद्यालय परिसर, रीवा-४८६००३ (भारत) — २५ अङ्का:

(ग) संस्कृतम् साहित्येतिहास:
(रामायण, महाभारत महाकाव्य गद्यकाव्य चेति)

सहायक ग्रन्था:—

१. संस्कृतसाहित्येतिहास:-श्री रामचन्द्र मिश्र कृत:
प्रकाशक—चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी (उ० प्र०)
२. संस्कृतसाहित्येतिहास:—श्री विश्वनाथ भरद्वाज कृत:
३. संस्कृत साहित्य का इतिहास—आचार्य बलदेव उपाध्याय
४. संस्कृत साहित्य विमर्श: —श्री बृजेन्द्रनाथ मिश्र कृत:
५. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा—श्री चन्द्रशेखर पाण्डेय
६. कविरत्न कृष्ण प्रसाद शर्मा घिमिरे
ले०—डा० अमोल प्रसाद मिश्र
प्रकाशक—सरोज प्रकाशन,
इलाहाबाद-२

वैकल्पिक 'क' वर्ग विषय

१—ऋग्वेद:

(क) ऋग्वेदसंहितायाः सप्तमैकादशाध्यायौ सायणभाष्यम् ।	६०
पंचम प्रश्नपत्रम्	**पूर्णांक: १००**
(ख) चरणव्यूह: उपलब्धसर्ववेदीयशाखा परिचयसहित: । सन्दर्भग्रन्थ: वेदशाखापर्यालोचनम् । डा० श्रीकिशोर मिश्र,	२०
(ग) कात्यायन शूल्वसूत्रम्	२०
षष्ठ प्रश्न पत्रम्	**पूर्णांक: १००**
(क) ऐतरेय ब्राम्हणम् ३-५ पंचिका सायणभाष्यसहित:	६०
(ख) मीमांसा न्याय प्रकाशस्यमापनः	२०
(ग) बृहद्देवताया: १-२ अध्यायौ	२०
सप्तम प्रश्न पत्रम्	**पूर्णांक: १००**
(क) निरुक्तस्य ४-६ अध्यायाः स्वसम्बद्धनिघण्टु एवं वर्गवृत्ति सहित:	६०
(ख) सिद्धान्तकौमुद्याः वैदिक प्रक्रिया	४०

२. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)

पूर्णांक १००

पंचम प्रश्नपत्र

(क) शुक्लयजुःसंहितायाः महीधरभाष्यम् ४-७ अध्यायाः ॥ — २०

(ख) चरणव्यूहः, उपलब्धः सर्ववेदशाखा परिचय संहितः ।

सन्दर्भग्रन्थः

वेदशाखापर्यालोचनम् , डा० श्रीकिशोर मिश्रः

(ग) कात्यायन शुल्बसूत्रम् — २०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

(क) पारस्करगृह्यसूत्रस्य द्वितीय-तृतीय काण्डौ हरिहरभाष्यानुसारि व्याख्यानसहितौ — ६०

(ख) कात्यायनोयास्नानतर्पण— आद्य —परिशिष्टानि — २०

(ग) बृहद्देवतायाः १-२ अध्यायौ — २०

सप्तम् प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

सर्ववेदसाधारणम्

(क) निरुक्तस्य ४-६ अध्यायाः स्वसम्बद्धनिघण्टु एवं वर्गं वृत्ति संहिताः — ६०

(ख) सिद्धान्तकौमुद्याः वैदिक प्रक्रिया — ४०

३—कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्क १००

(क) तैत्तरीय संहितायाः प्रथमकाण्डस्य ३-४ अध्यायौ, सायणभाष्यम् — ६०

(ख) चरणव्यूहः, उपलब्ध सर्ववेदी शाखापरिचयसहितः — २०

सन्दर्भग्रन्थः—

वेदशाखापर्यालोचनम् : डा० श्रीकिशोर मिश्राः

(ग) कात्यायन शुल्बसूत्रम् — २०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् ब्राह्मणम् — पूर्णांकः १००

(क) तैत्तिरीयब्राह्मण सायणभाष्यसहितम् तृतीयकाण्डस्य २-३ प्रपाटकौ — ६०

(ख) उदकशान्तिप्रयोगः — २०

(ग) बृहद्देवतायाः १-२ अध्यायौ — २०

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक १००

(क) शुक्लयजुर्वेदवत् — ६०

(ख) शुक्लयजुर्वेदवत् — ४०

४–सामवेदः

पूर्णाक १००

पंचम प्रश्न पत्रम्

[क] सामवेद संहितायाः सायाणभाष्यम् पूर्वाचिकस्य तृतीयाध्यायान्तम् ६०

[ख] चरणव्यूहः उपलब्धसर्ववेदीयशाखा परिचय सहितः २०

सन्दर्भ ग्रन्थ :—

वेदशाखापर्यालोचतम् — श्री किशोर मिश्रः

[ग] कात्यायन शुल्बसूत्रम् २०

पूर्णाक १००

षष्ठ प्रश्न पत्र

[क] सामविधान ब्राम्हणम् सायणभाष्यसहितम् ६०

[ख] गोभिलगृह्यसूत्रमुत्तरार्द्धम् २०

[ग- बृहद्देवतायाः १-२ अध्यायौ २०

पूर्णाकः १००

सप्तम प्रश्न पत्रम्

[क] शुक्लयजुर्वेदवत् ६०

[ख] शुक्लयजुर्वेदवत् ४०

५–अर्थवेदः [शौनकशाखीयः]

पंचम प्रश्नपत्रम्

पूर्णाकः १००

[क] अथर्ववेदसंहितायाः ३-४ काण्डयोः सायणभाष्यम् ६०

[ख] चरणव्यूहः, उपलब्धसर्ववेदीयशाखा परिचयसहितः २०

सन्दर्भग्रन्थ :—

वेदशाखापर्यालोचनम् = डा० श्री किशोर मिश्र

[ग] कात्यायनशुल्बसूत्रम् २०

षष्ठ प्रश्न पत्र

गोपथब्राह्मणम्

पूर्णाक १००

[क] ~~मोस्यब्राम्हणं~~ उत्तरार्द्धम्

[ख] पंचपटलिका ६०

[ग] बृहद्देवतायाः १-२ अध्यायौ २०

२०

सप्तम प्रश्नपत्रम्

पूर्णाकः १००

शुक्लयजुर्वेदवत् ६०

शुक्लयजुर्वेदवत् ४०

---

२. प्राचीनव्याकरणम्

पूर्णाङ्क: १००

पंचम प्रश्नपत्रम्

[क] व्याकरण महाभाष्यस्य प्रथमो अध्याय: नवह्निक इति: ८०
[ख] काशिका कारिकांश रहिता नियत भागस्य: २०

पूर्णांक: १००

षष्ठ प्रश्नपत्रम्

[क] व्याकरण महाभाष्यस्य द्वितीयोऽध्याय: तृतीय पादान्त: ८०
[ख] काशिका कारिकाश रहिताय नियतभागस्या २०

पूर्णांक: १००

सप्तम प्रश्नपत्रम्

[क] निरुक्त प्रथम द्वितीय अध्यायौ ५०

अथवा

न्यासस्य प्रथमाध्यायस्य ३-४ पादौ

अथवा

परिभाषेन्दुशेखर: :—येननाप्राप्ति परिभाषात: समाप्तिपर्यन्तम्
[ख] व्याकरण महाभाष्यद्वितीय अध्यायाय चतुर्थ: पाद ३०
[ग] काशिका—कारिकांश रहिता नियतभाग स्का २०

३. मध्यव्याकरणम्

पूर्णांक: १०

पंचम प्रश्नपत्रम्

प्रौढ़मनोरमा (शब्दरत्न सहिता) अजन्त पुंलिगत: स्त्री प्रत्याया

षष्ठ प्रश्नपत्रम्

[१] प्रौढ़मनोरमायाश ब्दरत्नसहितम्—कारकप्रकरणम् पूर्णांक: १००
[२] न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्या—अनुमानश ब्दखण्डे ५०
सप्तम प्रश्नपत्रम् ५०

वैयाकरणभूषणसार: पूर्णांक: १००

३. साहित्यम्

पंचम प्रश्नपत्रम्

पूर्णांक: १००

[क] नैषधीय चरितस्य ५-७ सर्गा: ५० अंक
[ख] साहित्य दर्पणस्य ३-५ परिच्छेदा: ५० अंक

षष्ठ प्रश्नपत्रम्

[क] हर्ष सम्पूर्णम् पूर्णांक: १००
[ख] हर्षचरितस्लोचना ७०

सहायक ग्रन्थ :— ३० अंक

१. संस्कृत साहित्य का इतिहास—प० बल्देव उपाध्याय
२. संस्कृत साहित्य का इतिहास—(कीथ अनु.) डा. मंगलदेव शास्त्री
३. नैषधपरिशीलन

सप्तम प्रश्नपत्रम्

(क) उत्तररामचरितम् पूर्णांक: १००
६० अंक:

(ख) मूत्कूटम् (भास्कराचार्य त्रिपाठी) ४० अंक

४: (१) दर्शनम्

पंचम प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

श्रीमद्भगवद्गीता [स्वसंप्रदायानुसारिव्याख्या सहिता]

षष्ठ प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

ब्रम्हसूत्र शाङ्करभाष्यस्य—द्वितीयचतुर्थाध्यायौ

सप्तम् प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

क. ब्रम्हसूत्र शांकरभाष्यम् ५०

ख. चतुःसूत्रयन्तंभामती [शांकर वेदांते] ५०

अथवा

ब्रम्हसूत्रे श्रीभाष्ये प्रथमोऽध्यायः (रामानुज वेदान्ते)

अथवा

ब्रम्हसूत्रा नन्द भाष्यस्य प्रथमा ध्यायस्य प्रथमपादर्यतम्
(रामानन्द वेदान्ते)

अथवा

क. सांख्यकारिका गौड़पाद भाष्य सहिता ५०

ख–योगसार संग्रहः (सांख्य दर्शन)

अथवा

क–गादाधर्याः सामान्य निरुक्ति प्रकरणम् ५०

ख–कुसुमांजलिकारिका हरिदासीसहिता (नव्यन्याये) ५०

२–जैनदर्शनम्

पंचम प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्कः १००

१९९९ शास्त्री द्वितीय वर्ष क वर्ग जैन दर्शन पंचम प्रश्न पत्र प्रमेयरत्न माला (अन्तवीर्यकृत) ४ से ६ परिच्छेदान्ता।

षष्ठम पत्र : बृहद् द्रव्य संग्रह (ब्रहम देव सूरि कृत) अथवा
सर्वार्थ सिद्धि (६ से १० अध्याय)

सप्तम पत्र : आप्त परीक्षा (विद्यानन्द कृत) सम्पूर्ण।

५–ज्योतिषम्

(१) सिद्धान्त ज्योतिषम्—

पंचम प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्कः १००

सिद्धान्त शिरोमणेः गणिताध्यायः

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

क–चापीयत्रिकोणमिति — ६०

ख–चलनकलनम्—१–अध्यायः — ४०

सप्तम् प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्क १००

सूर्य सिद्धान्तः अदितः पंचतारा स्पष्टीकरणान्तः — ८०

प्रायोगिक— — २०

सहायक ग्रन्थः—सिद्धान्त शिरोमणिः ।

(२) फलित ज्योतिषम्—

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

क– रमलनवरत्नम् — ४०

ख–केरलप्रश्नसंग्रह — ४०

ग–मुहूर्तमार्तण्डस्य विवाह प्रकरणम् — २०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

क–केशवीयजातकः पद्धतिः सोदाहरणम् — ७०

ख–भावकुतूहलम् — ३०

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्काः १००

क–जैमनीयसूत्रम् — ४०

ख–जातकालंकारः — ४०

प्रायोगिकः — २०

सहायक ग्रन्थः—केशवीयजातकपद्धतिः ।

८–धर्मशास्त्रम्

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्काः १००

पारस्कर गृह्य सूत्रम् हरिहर भाष्य सहितम् (१-२ काण्ड)

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्काः १००

१– निर्णय सिन्धु, सवत्सर प्रकरणम् द्वितीय परिच्छेदः — ५०

२– पराशर स्मृतिः षडध्यायतम् समाप्ति पर्यन्तम् — ५०

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्काः १००

१– यज्ञवल्क्यस्मृतिः (मिताक्षरासहितः—व्यवहाराध्यायः)

९–पौरोहित्ये

(कर्मकाण्ड)

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्काः १००

१– मुहूर्त चिन्तामणिः (मुहूर्त प्रकरण मात्रम्) — ५०

२– प्रतिष्ठा मयूखः — ५०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्काः १००

१– शान्ति मयूखः — ५०

२- मुहूर्तमण्डपनिधि — ५०

पूर्णाङ्का: १००

सप्तम प्रश्नपत्रम्

१- संस्कार मयूखः

अथवा — ५०

१- संस्कार सारः — ५०

२- ग्रह शान्ति प्रयोगाः

१०–पुराणेतिहासम्

पूर्णाङ्का: १००

पंचम प्रश्नपत्रम्

१- मार्कण्डेय पुराणस्य दुर्गासप्तशती भाग — १००

पूर्णाङ्का: १००

षष्ठ प्रश्नपत्रम्

श्रीमद्भागवतस्य (चतुर्थ स्कन्धः)

पूर्णाङ्का: १००

सप्तम प्रश्नपत्रम्

१- प्राचीन भारतस्य सांस्कृतिकेतिहासः

(आदितः गुप्तकाल) ५५० ई० पर्यन्तम्

सहायक ग्रन्थः—

१- भारतस्य सांस्कृतिकनिधि : प्रो. रामजी उपाध्याय

२- भारतीय दर्शनम् : डा० पारसनाथ द्विवेदी

३. भारतीय संस्कृति या इतिहास : (प्रकाशक - रत्न प्रकाशन मन्दिर, आगरा)

वैकल्पिक 'ख' वर्गीय विषय

६–हिन्दी

शास्त्रीय द्वितीय - ख वर्ग हिन्दी

हिन्दी काव्य — **१०० अंक**

अष्टम – हिन्दी काव्य संकलन भाग - दो

बी० ए० द्वितीय के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार म० प्र० रचना ग्रन्थ अकादमी द्वारा प्रकाशित।

नवम् ख वर्ग – नाटक और एकांकी — **१०० अंक**

क) ध्रुवस्वामिनी तथा लहरों के राजहंस (व्याख्या)

ख) अंधेरनगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र अथवा

अमरगुरु – लक्ष्मी नारायण मिश्र

२) अंधों का हाथी (शरद जोशी) (२)

प्रत्येक समूह का एक-एक खण्ड

एकांकी – भुवनेश्वर, डा० रामकुमार वर्मा, उपेन्द्र नाथ अश्क, जगदीश माथुर, विष्णु प्रभाकर, उदय शंकर भट्ट, लक्ष्मी नारायण।

बी० ए० द्वितीय के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार

२–राजनीति विज्ञान

पूर्णांक ५०

अष्टम प्रश्न पत्र

राजनैतिक विचार धारायें

१. व्यक्तिवाद	२. उपयोगितावाद
३. आदर्शवाद	४. राज्य समाजवाद
५. साम्यवाद	६. फासीवाद
७ अन्तर्राष्ट्रीयवाद	८. श्रेणी समाजवाद
९. श्रमिकसंघ समाजवाद	१०. बहुलवाद

अनुशंसित पुस्तकें—

१. डा. एम. पी. शर्मा	: आधुनिक राजनीति के विभिन्नवाद
२. डा. जी. पी. नागपाल	: प्रमुख राज० विचारधारायें

३. डा. गोविन्द प्रसाद शर्मा	: प्रमुख राज० विचारधारायें
४. डा. गणेश प्रसाद	: प्रमुख राज० विचारधारायें
५. वीरकेश्वर सिंह	: अधुनिक राज० विचारधारायें
६. पुखराज जैन	: प्रमुख राजनीतिक विचारधारायें

नवम प्रश्न पत्र

पूर्णांक १००

प्रमुख राजनैतिक विचारक

अनुशंसित पुस्तकें :—

१. के. एन. वर्मा	: पाश्चात्य राजनैतिक विचारों का इतिहास
२. अर्गल और अर्गल	: राजदर्शन के नवरत्न
३. सिंह एवं दुबे	: प्रतिनिधि राज० विचारक
४. द्वारिका प्रसाद श्रीवास्तव	: कतिपय प्रमुख राज० विचारक
५. डा. ओ. पी. नागपाल	: प्रमुख राजनैतिक विचारक
६. पुखराज जैन	: प्रमुख राजनैतिक विचारक

३–अर्थशास्त्र

अष्टम प्रश्नपत्र

पूर्णांक १००

मुद्रा बैंकिं, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, विदेशी विनिमय ,

१. मुद्रा की परिभाषा, महत्व कार्य एवं प्रकार, निर्देशांक, मुद्रा का

परिमाण सिद्धान्त (फिशर) मुद्रा प्रसार एवं संकुचन, नोट निर्गमन की पद्धतियाँ, ग्रेशम का नियम।

२. बैंकिंग —

बैंक के प्रकार, रिज़र्व बैंक आफ इण्डिया, केन्द्रीय बैंक के कार्य, साख का सृजन एवं निर्माण, व्यापारिक बैंकों की राष्ट्रीयकरण, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक।

३. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार—

अन्तरदेशीय व्यापार एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अन्तर, तुलनात्मक लागत सिद्धान्त, व्यापार एवं संरक्षण। भुगतान में संतुलन स्वतन्त्र व्यापार एवं संरक्षण।

४. विदेशी विनिमय—

विनिमय दर, विनिमय दर का निर्धारण, क्रयशक्ति, समता सिद्धान्त टकसाली समता, विनिमय दर, विदेशी विनिमय दर।

सहायक पुस्तकें :—

१. मुद्रा बैंकिंग विदेशी विनिमय	... डा. व्ही. सी. सिन्हा
२. मुद्रा बैंकिंग विदेशी विनिमय	... डा. एच. एल. सेठ
३. मुद्रा बैंकिंग विदेशी विनिमय तथा राष्ट्रीय आय	... ए. एस. शर्मा
४. मुद्रा की रूप-रेखा	... एम. सी. वैश्य

नवम प्रश्नपत्र पूर्णांक १००

आर्थिक विकास और भारत की आर्थिक समस्यायें

१ आर्थिक विकास—

आर्थिक विकास का अर्थ महत्व अर्द्ध विकसित राष्ट्रों का अर्थ एवं विशेषताएं, आर्थिक विकास में बाधायें, भारत में पूंजी निर्माण, राष्ट्रीय आय और उसके निर्धारित तत्व।

२- कृषि क्षेत्र—

भारतीय अर्थ व्यवस्था में कृषि का महत्व, कृषि की समस्याएं जोत का आकार, मध्य प्रदेश में भूमि सुधार, सहकारी एवं सामूहिक कृषि बेरोजगारी, यन्त्रीकरण और उन्नत तकनीक की समस्या कृषि विपणन, खाद्य समस्या।

औद्योगिक क्षेत्र -

भारत सरकार की वर्तमान औद्योगिक नीति, भारत में उद्योगों का महत्व एवं समस्यायें।

उद्योग —

१- लोहा-स्पात २- सूती वस्त्र ३- सीमेन्ट
४- कोयला चीनी उद्योग

४- औद्योगिक श्रम की समस्यायें—

भारत में श्रम कल्यायण एवं सामाजिक सुरक्षा औद्योगिक अशांति

जनसंख्या की समस्या, भारत में आर्थिक नियोजन की प्रगति एवं विशेषताएं।

सहायक पुस्तक—

१- आर्थिक विकास के मूल तत्व	: आर. एन. दुबे एवं व्ही. सी. सिन्हा
	: डा. आर. बी. मिश्र
२- भारतीय अर्थशास्त्र	: शर्मा एवं सिंह
३- भारतीय अर्थशास्त्र	: डा. व्ही. सी. सिन्हा
४- भारतीय अर्थशास्त्र	: एस. सी. तैला
५- भारतीय अर्थशास्त्र	

४. इतिहास

इतिहास के दो प्रश्न-पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न-पत्र १०० अकों का होगा।

अष्टम प्रश्न पत्र

पूर्णांक १००

आधुनिक भारत का इतिहास १७०७ ई. से १८५७ तक]

१. भारत में विदेशियों का आगमन
२. आंग्ल फ्रांसीसी संघर्ष।
३. बंगाल एवं बिहार में अंग्रेजों के प्रभुत्व की स्थापना।
४. मराठों का पुनरुत्थान एवं पतन।
५. मैसूर का उत्थान एवं पतन।
६. क्लाइव से कैनिंग तक आंग्ल साम्राज्य का प्रसार।

७. १८५७ का स्वाधीनता संग्राम।

पुस्तकें :—

अ- भारत का वृहद इतिहास	: डा. मजुमदार, राय चौधरी एवं दत्त।
ब- अर्वाचीन भारत का इतिहास	: डा. ईश्वरी प्रसाद एवं सूबेदार।
स- ब्रिटिश कालीन भारत	: पी. ई. राबर्ट्स
द- भारत का वृहद इतिहास	: डा० श्रीनेत्र पाण्डेय

नवम प्रश्न पत्र

पूर्णांक १००

आधुनिक भारत का इतिहास एवं स्वतन्त्रता संग्राम
(१८५७ ई० से १९४७ ई० तक)

१- आंग्ल साम्राज्य का शुद्धीकरण लार्ड कैनिंग से लार्ड माउन्टबेटन तक।
२- भारतीय पुनर्जागरण।
३- राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास।

पुस्तकें—

अ- भारत का वृहद इतिहास	डा. मजुमदार, राय चौधरी एवं दत्त।
ब- आर्वाचीन भारत का इतिहास	- डा. ईश्वरी प्रसाद एवं सूबेदार।

ङ- ब्रिटिश कालीन भारत — पी. ई. राबर्टस
इ- राष्ट्रीय आन्दोलन का संवैधानिक इतिहास — डा. गुरुमुखसिंह सिंह
इ- भारत का वृहद इतिहास — डा. श्रीनेत्र पाडेय

५. भूगोल

भारत

अष्टम प्रश्न पत्र पूर्णांक १००

म० प्र० के सन्दर्भ सहित भारत का विस्तृत भौगोलिक अध्ययन निम्नांकित शीर्षकों में—

१. स्थिति, सीमा, विस्तार।
२. धरातल एवं प्रवाह, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, मिट्टी, उद्योग खनिज, जनसंख्या, प्रमुख नगर एवं बन्दरगाह, आवागमन के साधन।

प्रायोगिक भूगोल

सर्वेक्षण की विधियां—निम्न उपकरणों द्वारा दिये हुए क्षेत्र का सर्वेक्षण—

१. शृंखला एवं फीता।
२. समपार्श्वीय दिक् सूचक।

नवम प्रश्न पत्र पूर्णांक १००

यूरोप का भौगोलिक अध्ययन

स्थिति, सीमा-विस्तार, प्राकृतिक रचना एवं जलवायु। खनिज, कृषि एवं उद्योग। यातायात के प्रमुख साधन व्यापार, जनसंख्या नगर एवं बन्दरगाह।

प्रायोगिक भूगोल—

सर्वेक्षण की विधियां—निम्नलिखित उपकरणों द्वारा दिये हुए क्षेत्र का सर्वेक्षण—
समपटल

—

शास्त्री द्वितीय वर्ष

६· समाजशास्त्र के सिद्धान्त

अष्टम प्रश्न पत्र — पूर्णांक १००

समाजशास्त्र की विभिन्न अध्ययन पद्धतियां—
सामाजिक नियंत्रण—सामाजिक नियंत्रण के विभिन्न साधन। भारतीय समाज में सामाजिक नियंत्रण का औचित्य।

सामाजिक परिवर्तन का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न कारण। सामाजिक परिवर्तन के परिणाम।

प्रगति—
प्रगति का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, सामाजिक परिवर्तन एवं प्रगति में अन्तर।

उद्‌विकास—अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, उद्‌विकास की प्रक्रिया, प्रगति एवं उद्‌विकास में अन्तर।

सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न सिद्धान्त—रेखीय सिद्धान्त, चक्रीय सिद्धान्त, उद्‌विकासीय सिद्धान्त।

सामाजिक प्रक्रियाएं—संगठनात्मक सामाजिक प्रक्रियाएं। विघटनात्मक सामाजिक प्रक्रियाएं।

पुस्तकें :—

१.	समाजशास्त्र के सिद्धान्त	— गुप्ता एवं शर्मा।
२.	समाजशास्त्र के सिद्धान्त	— डी० एस० बघेल।
३.	सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन	— आर० एन० मुकर्जी।
४.	समाजशास्त्र	— बी० के० अग्रवाल।

कार्यालय
श्री रामेश्वर ... संस्कृत
महाविद्यालय ...
पो. ... (म.प्र.)

शास्त्री द्वितीय वर्ष

सामाजिक विघटन एवं भारतीय सामाजिक समस्याएं

नवम प्रश्न-पत्र पूर्णांक १००

सामाजिक विघटन की अवधारणा ।
सामाजिक विघटन के प्रमुख प्रकार ।

भारतीय सामाजिक समस्याएं—
आत्महत्या, बाल अपराध, वेश्यावृत्ति, मद्यपान, भिक्षावृत्ति, निर्धनता, बेकारी ।

सामाजिक नियोजन एवं पुनर्निर्माण—
अर्थ, परिभाषा, महत्व, भारत में पुनर्निर्माण के प्रयास एवं योजनाएं ।

भारत में समाज कल्याण के प्रमुख क्षेत्र—
श्रम कल्याण, शिशु एवं मातृ कल्याण, जनजातीय कल्याण ।

सामुदायिक विकास ।
परिवार नियोजन—भारत में जनाधिक्य के कारण एवं परिवार कल्याण महत्व ।

पुस्तकें :

१. सामाजिक विघटन — सरला दुबे
२. सामाजिक विघटन — मदनमोहन सक्सेना
३. भारत में सामाजिक समस्याएं — जी० आर० नंदन
४. भारतीय सामाजिक समस्याएं — डी० एस० बघेल

७—गृहविज्ञानम्

अष्टम प्रश्न पत्रम् पूर्णांक १००

सैद्धांतिक— ७०

मातृत्व कला और शिशु कल्याण—

१. (अ) मातृत्व कला तथा शिशु स्वास्थ्य का महत्व ।
(ब) माता और शिशु स्वास्थ्य केन्द्र और कल्याण केन्द्र ।

२. पुराप्रसव देखरेख स्वास्थ्य शिक्षा, आहार, दवाइयां, आराम, व्यायाम, वैद्यकी चिकित्सा, गर्भावस्था के लक्षण विकार और उनका निवारण ।

३. प्रसव के समय देखरेख, कालपुर:प्रसव, प्रसव की तैयारी प्रसूतिकी अवस्था, नवजात शिशु की देखभाल, श्वासावरोध, प्रसूतिअवस्था में बुखार या दर्द ।

४. प्रसवोपरान्त माता और शिशु की देखरेख, आहार, स्तनपान, और कृत्रिम पोषण । स्तन्य त्याग और पूरक खाद्यान्न ।

५. बच्चों की सामान्य बीमारियां, प्रतिरक्षण, निवारण और इलाज ।

६. बच्चों के साथ दुर्घटना और प्रथमोपचार ।

७. बच्चों का लालन पालन सुयोग्य वस्त्र ।

८. अच्छी आदतों का निर्माण और विकास ।

३० अंक

प्रायोगिक—

१- स्वास्थ्य और कल्याण केन्द्र के कार्य का अवलोकन ।

२- गर्भवती स्त्री तथा धात्री स्त्री के आहार की तालिका ।

३- बच्चों के पूरक खाद्यान्न ।

नवम प्रश्नपत्रम्

पूर्णांक १००

सैद्धांतिक :—

पूर्णांक ७०

बालमनोविज्ञान और विकास—

१. बालमनोविज्ञान, अर्थ और महत्व ।

२. विकास पर प्रभाव डालने वाले तत्व ।

(अ) आनुवंशिकता और पर्यावरण ।

(ब) परिपक्वता और प्रशिक्षण ।

३. बुद्धि और विकास की अवस्थायें ।

४. जन्मजात वृत्तियां तथा पारिवारिक, सामाजिक और शैक्षणिक प्रभाव ।

५. अभिप्रेरणा और उसकी शिक्षा प्राप्ति में उपयोगिता । शिक्षण प्राप्ति की विधियां ।

६. बुद्धि, बुद्धिमापन, बुद्धि विकास: मानसिक आयु, बुद्धिलब्धि ।

७. व्यक्तित्व विकास तथा चरित्र विकास । सजा और पारितोषिक प्रभाव ।

८. विसन्तुलित या समस्या-बालक ।

९. बाल अध्ययन की विधियां, वृद्धि, विकास का अर्थ, विकास के सिद्धान्त, बाल अपराध के अर्थ, कारण, रोकथाम के उपाय ।

प्रायोगिक—

३० अंक

१. बालविहार में बालकों का अवलोकन—

(अ) भाषा विकास ।

(ब) संवेगात्मक विकास ।
(स) सामाजिक विकास ।
(द) शेष विकास ।

सहायक पुस्तकें—

१- गृह कला तथा गृह प्रबन्ध : वि० शर्मा, मा० वर्मा (लायक बुक डिपो, मेरठ)

२- सरल गृह विज्ञान भाग १ : एस० पी० मुखिया, जी० पी० डोरी (प्रकाशक – शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी आगरा-३

३. ऊषा सिलाई शिक्षक सिलाई शिक्षक पाठ्यपुस्तक, (अय इंजीनियरिंग वर्क्स लि० कलकत्ता-३१)

४. Dalda Book book : Hindustan Livers Bombay

५. Our Food (Hindi Edition. : Swaminathan M.& Bhagawan R. K. (Ganesa & Co. Madras)

६. A Guide to House Textiles & Laundry work. : Durga Denikar, Directries Lady Erwin Collcge, New Dehli

७. Human Nutrition Principles & Applications in India : M. E. Medivitt. & S. R. Mudomb (Prentice Hall, New Delhi)

८. बाल मनोविज्ञान : जगदानन्द पाण्डेय, (प्रकाशक-तारा पब्लिकेशन, वाराणसी)

८. भाषा विज्ञान

अष्टम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक १००

ऐतिहासिक भाषा विज्ञान का प्रारम्भिक परिचय ।

नवम प्रश्न पत्र पूर्णांक १००

संस्कृत भाषा का संघटनात्मक एवं ऐतिहासिक परिचय ।

सहायक पुस्तकें :

सामान्य भाषा विज्ञान	: डा० बाबूराम सक्सेना
भाषा शास्त्र की रूपरेखा	: डा० उदयनारायण तिवारी
ध्वनि विज्ञान	: गोलोक विहारी दत्त
संस्कृत लैंग्वेज	: टी बरो०

९. विज्ञानम्

शास्त्री द्वितीय खण्ड में दो पत्र होंगे ।

(क) अकार्बनिक रसायन (७० सिद्धान्त + ३० प्रयोग = १००)

(ख) जीव विज्ञान (७० सिद्धान्त + ३० प्रयोग = १००)
अथवा
भौतिक विज्ञान (प्रकाश, चुम्बक तथा विद्युत)

विशेष :—प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्णता हेतु ३३ प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है अर्थात ६० अंकों में से २० अंक प्राप्त करना होगा। एवं सिद्धांत में उत्तीर्णता हेतु १४० अंकों में कम से कम ४६ अंक प्राप्त करना आवश्यक है। प्रयोग पुस्तिका आवश्यक है।

पूर्णांक १००

अष्टम प्रश्न पत्र

अकार्बनिक रसायन शास्त्र

७० अंक

सैद्धांतिक

निम्नलिखित तत्वों का साधारण ज्ञान—सोडियम, पोटेशियम कैलसियम, स्ट्रांशियम, बेरियम, अल्युमिनियम, कार्बन, आक्सीजन, सल्फर (गन्धक), क्लोरीन, ब्रोमीन एवं आयोडीन, आवर्त सारणी का वर्गीकरण (Periodic classification) की दृष्टि से निम्नलिखित तत्वों तथा उनके यौगिकों का विशद ज्ञान।

१. शून्य वर्ग (O Group) के तत्व।

२. लिथियम, हाइड्रोजन, समस्थानिकों (Isotopes के सहित) हाइड्रोजन पर आक्साइड, तांबा, स्वर्ण, रोप्य ;

जीव विज्ञान

(वनस्पति विज्ञान तथा प्राणि विज्ञान)

(भौतिक विज्ञान के विकल्प में)

नवम प्रश्न पत्र

७० पूर्णांक

सैद्धांतिक :—

जीवकोष, प्राणीकोष, प्राणी उतक एवं उनके कार्य, प्राणियों की आकृति तथा क्रियायें Structure & Functions, जीवन धारायें तथा प्रजनन प्रणाली Alternation of generation and reproduction Sexual & Partheongenetic)

प्राणियों का वर्गीकरण हाइड्रा युग्लीना (Euglena) पैरामीसियम (Paramoecium), फैसीओला (Fasciola) Liver Fluke, टीनिया (Taenia) एसकेरिस, पाइला, मेढ़क (Rana) एवं खरगोश का अध्ययन

सम्पूर्ण जीव का फिजियोलोजी तथा प्रत्येक तन्त्र, अङ्ग एवं कोष की कार्य प्रणाली, विशेष रूप से किसी स्तनपायी जीव की अण्ड से लेकर पूर्णावस्था तक पूरा जीवन इतिहास मेढ़क, मनुष्य एवं पक्षी। एक कोषीय प्रणाली (Protozon) एवं पतवा (Arthropoda) की आकृति, फिजियोलोजी तथा परिस्थिति की (Ecology) एवं मनुष्य के साथ सम्बन्ध।

पारिस्थितिकी तंत्र:-अजैविक एवं जैविक कारकों एवं तत्वों का अध्ययन।

विभिन्न पारिस्थितिकी तन्त्रों में पाये जाने वाले वनस्पति एवं प्राणि समूहों के विषय में सामान्य ज्ञान ।

विभिन्न जीवधारियों में आपसी सम्बन्ध

जीवधारियों का भौगोलिक वितरण

प्रदूषण जल एवं वायु प्रदूषण

पर्यावरण में शिक्षा की उपयोगिता

वन्य जीवों के निवास स्थल एवं आहार व्यवहार की सामान्य जानकारी प्राप्त करना ।

प्रायोगिक अंश जीवविज्ञान:

३० अंक

निम्नलिखित प्राणियों का अध्ययन सामूहिक अथवा एकल (Cultureor Slides) अमीबा, युग्लोना, पैरामीसियम, (मलेरिया के जीवाणु) हिरुडिनेरिया (जोंक), एकक एवं सेक्शन सहित हाइड्रा, फसीओला, टीनिया, एसकेरिस प्लासमीडियम म च्छर (एनीफिलिस तथा क्यूलेस) जीवितको ष तथा कोष विभाजन का अध्ययन ।

(मेढ़क खरगोश अथवा अन्य कोई स्तनपायी जीव)
भीतर अंग पहचान, रक्त परिवहन, स्नायु तन्त्र ।
कंकाल तन्त्र मेढक पक्षी या खरगोश (या अन्य कोई स्तनपायी।

विभिन्न प्रकार के कोष तथा उनके एवं तन्त्रों के सेक्शन का अध्ययन [स्लाइड द्वारा, प्राणि विज्ञान सम्बन्धी स्लाइड तैयार करना सिखना । प्रकृति के अध्ययन से प्राणियों के विषय में ज्ञान संग्रहालयों (Museums) तथा अजायब घरों एवं बगीचों (Zoological Gasden) का भ्रमण एवं अवलोकन (Nature Study and Collection of Materials)

विभिन्न परिस्थिति की तन्त्र में पाये जाने वाले प्राणियों का अध्यन ।

प्रदूषण का जीवधारियों पर प्रभाव ।

क्षेत्र में पाये जाने वाले तन्त्र जीवों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त करना ।

''अथवा''

भौतिक विज्ञान

(जीवविज्ञान के विकल्प में)

सैद्धांतिक :

अंक ७०

भौतिक प्रकाश विज्ञान (Physical OPtics) प्रकाश प्रकृति एवं प्रसारण ।

प्रकाश सिद्धांत परावर्तन और तरंग सिद्धांत
तनंन और तरंग सिद्धांत का व्यक्तिकरण [Interference] प्रकाश का परिवर्तन (Diffraction) प्रकाश का ध्रुवन (Polarisation) परवर्तन तथा वर्तन लेन्स प्रकाश सम्बन्धी यत्रों प्रणाली दीप्ति मापन दीप्तिमान तथा दीप्तिहीन वस्तुओं का रंग ।
विद्युत विभव, कोलम्ब का नियम विद्युतीय क्षेत्र विद्युत धारा प्रतिरोध ओम का नियम)

विद्युत धाराओं का चुम्बकीय प्रभाव, तारीय प्रभाव, रासायनिक प्रभाव विद्युत उत्पादन (Indnction) विद्युत का रासायनिक उपयोग विद्युत यन्त्रों की उपयोगिता। विद्युत शक्ति का प्रेषक एवं वितरण।

विद्युत चुम्बकीय तरंगें तथा उसका उपयोग
कैथोड 'X' किरण तेजोत्किरण (Radio Activity) एवं परमाणु रचना

प्रायोगिक अंश (भौतिक विज्ञान) ३० अंक

१. दीप्तिमान– दो प्रकाश स्रोतों की कैण्डिल पावर की तुल रूप : फोटोमीटर द्वारा करना।

२. सेक्सोटेण्ट यन्त्र द्वारा ऊंचाई मापना

३. प्रिज्म की आकिरण क्षमता [Dispersian Poweri] निकालना

४. मैग्नेटोमीटर द्वारा 'H' का मान निकालना।

५. पोटेन्सियोमीटर द्वारा दो सेलों के वि० वा० बलों की तुलना करना।

६. पोस्ट आफिस बाक्स द्वारा तार का प्रतिरोध मापना।

७. टैजेन्ट गैल्वेनोमीटर द्वारा दो प्रतिरोधों की तुलना करना।

८. एम्मीटर एवं वोल्टमीटर द्वारा ओम के नियम का सत्यापन

९. टैजैन्स गैलवेनोमीटर द्वारा वृत्ताकार वेष्टन के अक्षपट चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता के परिवर्तन का अध्ययन।

पाठ्य पुस्तकें—

किंग एवं काल्डवेल		College Chemistry
पाडिंगटन		Text Book of Inorganic Chemistry
सिंह एवं सिंह		कार्बनिक रसायन (Inorganic Chemistry)
तुली एवम् सोनी		Refresher Course in B. Sc Inorganic Chemistry
सत्य प्रकाश एवम् तिवारी		Advanced Chemical Calculations
सेठी	:	प्रकाश विज्ञान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	:	१) प्रकाशिकी
हिंदू प्रकाशन	:	२) विद्युत और चुम्बकत्व
अरोरा	:	Refresher Course in B. Sc. Physics
कार्लपी स्वानसन कोशिका	:	(The Gell)
मेक्लरय	:	कोशिका कार्य की एवम् जीवन रसायन Cell Physiology and Bio-Chemistry
बोनेट तथा मील्स	:	अनुवंशिकी (Heredity)
वालेस एवम् सर्व	:	अनुकूलन (Adoption)
मुरमैन	:	प्राणियों की वृद्धि तथा परिवर्धन (Animal Growth and Development)

स्मिट नील्सन	: प्राणी शरीर का क्रिया विज्ञान (Animal Physiology)
हेग्सन	: जन्तु विविधता (Animal Diversity)
डेथियर तथा स्टेलर	: प्राणी व्यवहार [Animal Behaviour]
	: सृष्टि का मानव
बेटोस	: Inventeprat Zoology
जार्डन	: Chordate Zoology
जार्डन	: Text Book of Zoology
पारकर एवम् हेसवेल	: Vols I and II
	: College Zoology
हैगनर एवम् स्टाइलरा	: Comparative Anatomy
मुरलीधर श्रीवास्तव	: of Vertebrates

१० - भारतीय संगीत

इसमें लैखिक परीक्षा के दो प्रश्न-पत्र होंगे तथा प्रत्येक का स[illegible] ३ घण्टे होगा साथ ही क्रियात्मक परीक्षा भी होगी। प्रत्येक लैखिक प्र[illegible] पत्र के ५० अंक होंगे और क्रियात्मक परीक्षा के १०० अंक मिला[illegible] २०० अंक होंगे। विद्यार्थियों को लैखिक तथा क्रियात्मक परीक्षा में अ[illegible] अलग पास होना अनिवार्य होगा।

विद्यार्थियों को गायन अथवा तन्त्र वाद्य अथवा तालवाद्य में से[illegible] विषय लेना होगा।

सैद्धांतिक

नोट:—यह प्रश्न-पत्र गायन, तन्त्र वाद्य, तथा ताल वाद्य तीनों के लिए अनिवार्य होगा।

१— भारतीय संगीत का इतिहास—मध्य काल, मुगल एवम् पठान काल में संगीत।

२—विगत संगीतज्ञों एवम् संगीत शास्त्रियों का अध्ययन नारद, अहोबल बैजू बावरा, ओंकारनाथ, उस्ताद अलाउद्दीन, राजाभैया पूछवाले इनायत खाँ, कन्ठे महाराज अहमद जान, थिरकवा, शम्भू महाराज।

३—शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रमों का विवरण लिखने की क्षमता।

४—निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखने का ज्ञान—मार्गी तथा देशी संगीत निबद्ध तथा अनिबद्ध गान, तबला और मृदन्ग (पखावज) के ताल, ठुमरी, तराना, टप्पा, गजल, मीड़, गमक।

४— निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखने का ज्ञान-मार्गी तथा देशी संगीत निबद्ध तथा अनिबद्ध गान, तबला और और मृदंग (पखावज) के ताल, ठुमरी, तराना, ठप्पा, गजल, मींड़, गमक ।

५— दक्षिणी (कर्नाटक) ताल पद्धति की रूपरेखा ।

६— संगीत संबन्धी साधारण विषयों पर निबन्ध ।

७— वाद्यों के वर्गीकरण का सिद्धांत ।

८— गतवर्ष के तालों के अतिरिक्त : रूपक, झूमरा, धमार और पंजाबी ।

नवम प्रश्न-पत्र

पूर्णांक ५०

सैद्धान्तिक

खण्ड (अ) गायन

१— थाट रचना उसके विशिष्ट लक्षणों का ज्ञान, वर्तमान वर्गीकरण के अनुसार उनके प्राचीन नामों सहित दस थाट जन्य जनक पद्धति ।

२— स्वरांकन अथवा स्वरलिपि पद्धतियों का संक्षिप्त इतिहास, गुण-दोषों सहित अध्ययन । भात खण्डे तथा विष्णु दिगम्बर पद्धति का विशिष्ट अध्ययन ।

३— संगीत सम्बन्धी (गायन से संबन्धित) वाद्यों के सिद्धांत मिलाने ।

की साधारण सुधार विधि ।

४— ताल रचनालय और उनके प्रचार, ठाह, दुगुन, तथा पाठ्यक्रम के तालों का अध्ययन तथा दक्षिण भारतीय तालों का ज्ञान ।

५— निम्नलिखित तालों का ज्ञान – दादरा, कहरवा, त्रिताल, एक-ताल चौताल, झपताल, सूलताल, तीव्रा, रूपक, तिलवाड़ा ।

६— पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय ज्ञान—

(१) शुद्ध कल्याण (२) कामोद (३) छायानट (४) गौड़सारंग (५) भैरव (६) रामकली (७) देश (८) तिलक कामोद

७— स्वर – राग ताल पहचान–दिये गये स्वर समूहों से राग पहचानना उसी प्रकार कतिपय तालों से ताल पहचानना ।

८— पाठ्यक्रम के रागों की शैलियों में स्वर लिपि लिखना (कोई चार बड़े ख्याल, आठ छोटे ख्याल, ध्रुपद, एक तराना) ।

९— उपर्युक्त प्रश्नों से सम्बन्धित निबन्ध लिखने का अभ्यास ।

नवम प्रश्न-पत्र

खण्ड (ब) तन्त्र वाद्य

पूर्णांक ५०

सैद्धान्तिक

१— थाट रचना तथा उसके विशिष्ट लक्षणों का ज्ञान वर्तमान वर्गीकरण के अनुसार उनके प्राचीन नामों सहित दस थाट जन्य जनक पद्धति ।

२— स्वरांकन अथवा स्वरलिपि पद्धतियों का संक्षिप्त इतिहास गुण-दोषों सहित अध्ययन । भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर पद्धति का विधिवत अध्ययन ।

३— संगीत सम्बन्धी (वाद्य संबन्धी) वाद्यों के सिद्धान्त, मिलाने की तथा साधारण सुधार विधि ।

४— ताल रचनालय और उसके प्रकार—ठाह, दुगुन तथा पाठ्यक्रम के तालों का अध्ययन तथा दक्षिण भारतीय तालों का साधारण ज्ञान ।

५— निम्नलिखित तालों का ज्ञान—दादरा, कहरवा, त्रिताल एक ताल चौताल, झपताल, सूलताल, तीव्रा, रूपक, दीपचन्दी, तिलवाड़ा ।

६— पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय ज्ञान :—

(१) शुद्ध कल्याण (२) कामोद (३) छायानट (४) गौड सारंग (५) भैरव (६) रामकली (७) देश (८) तिलक कामोद ।

७— स्वर राग एवम् ताल पहचान—दिये गये स्वर समूहों से राग पहचानना, इसी प्रकार कतिपय बोलों से ताल पहचानना ।

८— पाठ्यक्रम के रागों की शैलियों में स्वर लिपि लिखना - (चार नसीतखाना गत, आठ रजाखानी गत तीन तोड़ और झाला लिखना, ख्याल अंग से बजाने वाले को इसी प्रकार बड़ा ख्याल और छोटा ख्याल तानों सहित लिखना ।

९— उपर्युक्त प्रश्नों से सम्बन्धित निबन्ध लिखने का अभ्यास ।

पूर्णांक ५०

नवम प्रश्नपत्र

सैद्धान्तिक

खण्ड (स) तालवाद्य

१- तबला मिलाने की विधि ।
२- तबला तथा बायें पर प्रयुक्त छोटे पदांशों का प्रत्येक अलग-अलग तथा दोनों पर साथ साथ निकालने की विधि ।
३- तबला वादन के दो घराने-अजराड़ा (मेरठ) तथा लखनऊ ।
४- परिभाषायें :—भरी, जरब, तिहाई, कला, क्रिया, अंग, दुगुन और चौगुन ।
५- ताल पद्धतियों का संक्षिप्त इतिहास-गुण-दोषों सहित अध्ययन । भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर पद्धति का विशिष्ट अध्ययन ।
६- बायें तथा दायें हाथ की उगलियों द्वारा साधना विधि ।
७- निम्नलिखित तालों के ठेकों की जानकारी :- झूमरा, आड़ा, चौताल, दीपचन्दी, रूपक, धमार, सूलताल ।
८- त्रिताल में अग्रिम पाठ पल्टों सहित चार कायदे, चार मुखड़े चार परन, दो पेशकार, दो चक्रदार तथा दो तिहाइयाँ ।

खण्ड अ (गायन)

क्रियात्मक

पूर्णांक १००

१. स्वर की पहचान तथा पुनरुच्चारण ध्वनि की सहायता से स्वर तथा राग की पहचान ।

२— एक भक्ति सम्बन्धी गीत (भजन)।

३— विद्यार्थियों को तानपुरा तथा तबले की सहायता से गाना होगा।

४— निम्नलिखित प्रत्येक राग से विद्यार्थियों को एक सरगम, द्रुतख्याल सीखना आवश्यक है। पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित लय में चार बड़े ख्याल एक ध्रुपद, एक धमार, एक तराना साथ ही निम्नलिखित प्रत्येक राग में चार ताल सीखना आवश्यक है :—
(१) शुद्ध कल्याण (२) कामोद (३) छायानट (४) गौड़ सारंग (५) भैरव (६) रामकली (७) देश (८) तिलक कामोद।

५— निम्नलिखित तालों के ठेके कंठस्थ करना एवं ताली देकर बोलना। शास्त्री प्रथम वर्ष में निर्धारित तालों के अतिरिक्त रूपक, झूमरा, धमार, पंजाबी।

खण्ड (ब) तन्त्र वाद्य

क्रियात्मक पूर्णांक १००

१— निम्नलिखित तालों के ठेके कंठस्थ करना एवं ताली देकर बोलना। शास्त्री भाग १ में निर्धारित तालों के अतिरिक्त-रूपक झूमरा, धमार, पंजाबी।

२— निम्नलिखित रागों का ज्ञान—शुद्ध कल्याण, कामोद, छायानट गौड़ सारंग, भैरव, रामकली, देश, तिलक कामोद।

३— उपर्युक्त रागों में चार मसीतखानी गत कम से कम तीन तोड़ों के सहित अथवा बड़ा ख्याल तीन तालों के सहित आठ रजाखानी गत पांच तोड़ों के सहित अथवा छोटा ख्याल या एक तराना तीन तालों सहित बजाना होगा।

४— कम से कम तीन रागों में झाला और तिहाई जानना आवश्यक है।

५— आलाप और जोड़ की प्रारम्भिक जानकारी उपर्युक्त किन्हीं दो रागों में।

खण्ड (स) तालवाद्य

क्रियात्मक पूर्णांक १००

१— पूर्व वर्षों में अध्ययन किये हुए तालों के अतिरिक्त निम्नलिखित तालों के ठेकों की जानकारी—झूमरा, आड़ा चौताल, दीपचन्दी रूपक, धमार, सूलताल।

२— त्रिताल में अग्रिम पाठ—पल्टों सहित चार कायदे, चार मराड़े, चार गत, परन, दो पेशकार, दो चक्रदार, दो तिहाइयां।

३— पाठ्यक्रम के तालों को दुगुन, चौगुन में बजाने का अभ्यास।

११. शिक्षा

दो प्रश्न पत्र प्रत्येक तीन घण्टे की अवधि एवं १०० अंक के होंगे।

अष्टम प्रश्न पत्र

पूर्णांक १००

शिक्षा का सामाजिक आधार

१— शिक्षा एक सामाजिक प्रक्रिया, शिक्षा का महत्व, शैक्षणिक

उद्देश्यों का सामाजिक आधार, वैयक्तिक एवं सामाजिक उद्देश्य चरित्र एवं नैतिकता का उद्देश्य, सांस्कृतिक नागरिकता तथा व्यावसायिक उद्देश्य।

२— जनतन्त्र और शिक्षा, वर्तमान भारत में शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षा और राष्ट्रीयता, शिक्षा और अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना।

३— शिक्षा की सामाजिक संस्थायें सविधिक तथा अविधिक साधन, परिवार और शिक्षा समुदाय एवं शिक्षा, राज्य और शिक्षा, विद्यालय से उसका सम्बन्ध, सविधिक सामाजिक संस्था के रूप में विद्यालय के कार्य, सामुदायिक विद्यालय।

४— भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा, शिक्षा सामाजिक परिवर्तनों का साधन, सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों और शिक्षा शिक्षा और भावनात्मक एकता।

नवम प्रश्न पत्र — पूर्णांक १००

स्वतन्त्र भारत में शिक्षा

स्वतन्त्रता के समय विभिन्न स्तर एवं विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा की स्थिति, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा।

निम्नलिखित समस्याओं के सन्दर्भ में अधोलिखित आयोगों का अध्ययन :—

१— विश्वविद्यालय आयोग १९४८।

२— माध्यमिक शिक्षा आयोग १९५२।
३— शिक्षा आयोग १९६४-६६।

समस्यायें :

१— प्राथमिक शिक्षा और उसकी समस्यायें।
प्रसार की समस्यायें, अपव्यय एवं अवरोध, अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा।

२— माध्यमिक शिक्षा और इसकी समस्यायें :-
व्यवसायी करण की समस्यायें, पाठ्यक्रम में विभिन्नकरण, बहुउद्देशीय विद्यालय परीक्षा और इसमें सुधार, कार्यानुभव राष्ट्रीय एवं सामाजिक सेवायें तथा इनकी समस्यायें।

उच्च शिक्षा :—

उच्चशिक्षा के उद्देश्य, विश्वविद्यालय के प्रकार तथा उनके उद्देश्य विश्वविद्यालय आयोग, उच्च शिक्षा की समस्यायें। राज्य तथा केन्द्र शिक्षा प्रशासन का संगठन।

——:०:——

Shastri Part II

ENGLISH Literature

M. Marks : 100

Eighth. (VIII) Paper

Text for intensive study Julius Caesar by–Shakespeare

Four passages forexplanation each carry,ng 10 marks 40 mark

Three textual questions of 20 marks each. 60 marks

Max. Marks 100

Nineth (IX)

There shall be two sections of this section A carrving 75 marks devoted to poetry & Section B carrying 75 marks shall be devoted to poetic forms & Shakespearean Tragedy The following poetsfrom Palgrave's Golden Treasury are prescribed—

Tennyson	Ulysses
Browning	My last duchess, Consfessions.
Arnold	Dover Beach

Section A

Three passages for explanation each arrying 10 marks 30

Three textual questious of poetry each carrying 15 marks 45

Section B

Two questions of 13 & 12 marks each on poetic form & Shakespearean Tragedy.

Books Reeommended—Background to the Study of Eng. Literature : B Prasad

Shaespearean Tragedy ————by Bradley Ist chapter.

ऐच्छिक अतिरिक्त विषय

अंग्रेजी

There shall be one paper carrying 100 Marks
The break-up of marks will be as follows :

(I) Textual questions from the text for detailed study 50

(One question will be from Rapid Reader and will carry 10 Marks 10

(2) Grammar 25

Books recommended .

W. S. Allen, (Longmans) : Living English Structure (Intermediate Exercises only)

15

(3) Precis writing

Text—

(a) Detailed study
Language through Literature Part II
(Oxford Univ. Press)
first ten lessons,

(b) Rapid Reading —
Stories from Home and Abroad
The following stories are prescribed
The Home Coming, Doctor's Word,
The Selfish Giant, The Refugee, Elias.

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

परीक्षा योजना

शास्त्री तृतीय (अंतिम) वर्ष

क्रमांक	विषय	प्रश्न-पत्र	पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
१	२	३	४	५
(अ) अनिवार्य विषय—				
आधार पाठ्यक्रम	(क) सामान्य जागरूकता, प्रथम	५०		
	(ख) भाषाज्ञान हिन्दी द्वितीय	५०		५०
	(ग) भाषा ज्ञान अंग्रेजी तृतीय	५०		
१.	संस्कृत	चतुर्थ	१००	३३
(ब) वैकल्पिक "क" वर्गीय विषय (कोई एक)				
१.	वेद	पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
२.	व्याकरण	पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३
३.	साहित्य	पंचम	१००	३३
		षष्ठ	१००	३३
		सप्तम	१००	३३

१	२	३	४	५
४. दर्शन	पंचम	१००	३३
	षष्ठ	१००	३३
	सप्तम	१००	३३
५. ज्योतिष	पंचम	१००	३३
	षष्ठ	१००	३३
	सप्तम	८०	२७
	प्रायोगिक	२०	७
६. धर्मशास्त्र	पंचम	१००	३३
	षष्ठ	१००	३३
	सप्तम	१००	३३
७. पौरोहित्य	पंचम	२००	३३
	षष्ठ	१००	३३
	सप्तम	१००	३३
८. पुराणेतिहास	पंचम	१००	३३
	षष्ठ	१००	३३
	सप्तम	१००	३३

१	२	३	४	५
(स) वैकल्पिक वर्ग 'ल' (कोई एक विषय)				
१. हिन्दी	अष्ठम	१००	३३
	नवम	१००	३३
२. राजनीति विज्ञान	अष्ठम	१००	३३
	नवम	१००	३३
३. अर्थशास्त्र	अष्ठम	१००	३३
	नवम	१००	३३
४. इतिहास	अष्टम	१००	३३
	नवम	१००	३३
५. भूगोल	अष्ठम	१००	३३
	नवम	१००	३३
६. समाज शास्त्र	अष्टम	१००	३३
	नवम	१००	३३
७. गृह विज्ञान	अष्ठम	७०	२३
	प्रायोगिक	३०	१०
	नवम	७०	२३
	प्रायोगिक	३०	१०

१	२	३	४	५
८. भाषा विज्ञान		अष्टम	१००	३३
		नवम	१००	३३
९. विज्ञान—				
(क) रसायन शास्त्र		अष्टम	७०	२३
		प्रायोगिक	३०	११
(ख) जीवविज्ञान		नवम	७०	२३
अथवा		प्रायोगिक	३०	१०
भौतिक विज्ञान				
१०. संगीत —				
भारतीय संगीत		अष्टम	५०	१७
खण्ड (क) कण्ठ संगीत		नवम	५०	१७
		प्रायोगिक	१००	३३
खण्ड (ख) तन्त्र वाद्य		नवम	५०	१७
		प्रायोगिक	१००	३३
खण्ड (ग) ताल वाद्य		नवम	५०	१७
		प्रायोगिक	१००	३३

१	२	३	४	५
११. शिक्षा		अष्टम	१००	३३
		नवम	१००	३३

(द) ऐच्छिक अतिरिक्त विषय —

१. अंग्रेजी		एक प्रश्न पत्र	१००	३३

शास्त्री तृतीय वर्ष

आधार पाठ्यक्रम

सामान्य जागरूकता

पूर्णांक ५०

भारत तथा तृतीय विश्व के विकास की समस्याएं

१. विकास पर पुनश्चिंतन
२. कृषि में आत्मनिर्भता
३. औद्योगीकरण तथा शहरीकरण । आधुनिक प्राद्योगिक सभ्यता ।
४. गरीबी
५. जनसंख्या
६. ऊर्जा
७. पर्यावरण
८. भौतिक आवश्यकताएं : भवन, स्वास्थ्य परिवहन, संचार शिक्षा एवं संस्कृति ।
९. विकास में महिलाओं का योगदान ।
१०. परिवर्तन का प्रबंधन
११. जीवन स्तर : वैकल्पिक संभावनाएं ।
१२. युद्ध एवं मानव जीवन का संरक्षण मानवीय / सामाजिक मूल्यों का प्रश्न ।

पाठ्य पुस्तक के लिए मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित और म० प्र० हिन्दी ग्रन्थ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तक ही मान्य पाठ्य पुस्तक होगी ।

शास्त्री तृतीय वर्ष

आधार पाठ्यक्रम

हिन्दी भाषा

उद्देश्य–

पूर्णांक ५०

१. छात्रों को भाषा और समाज की अन्तःक्रिया में भावाभिव्यक्ति में सक्षम करना ।

२. कार्यालय व्यवहार क्षेत्र में हिन्दी के औपचारिक प्रयोग की क्षमता का विकास करना ।

३. विज्ञान, वाणिज्य, सामाजिकी तथा मानविकी के विषय क्षेत्रों से सम्बद्ध पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग तथा अंग्रेजी से हिन्दी में तद्-विषयक अनुवाद की क्षमता उत्पन्न करना ।

(१) कथन शैली प्रकार–

(क) व्याख्यापरक
(ख) विवरणपरक
(ग) मूल्यांकनपरक

(१) अवधारणात्मक व्याकरण, व्यवहार एवं प्रयोग–

(क) विनम्रता सूचक
(ख) विधि-निषेध
(ग) काल-बोध
(घ) स्थान एवं दिशा-बोध
(ङ) कारण-कार्य सम्बन्ध
(च) अनुक्रम

(२) रचना–

(क) प्रतिवेदन
(ख) आदेश
(ग) ज्ञापन
(घ) अधिसूचना
(ङ) परिपत्र
(च) अनुस्मारक
(छ) पृष्ठांकन

(३) पारिभाषिक शब्दावली एवं अनुवाद–

(क) पारिभाषिक शब्दावली—
परिभाषा और शब्दावली स्वरूप
(ख) अनुवाद : अंग्रेजी से हिन्दी

पाठ्यपुस्तक के लिए मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित और म० प्र० हिन्दी ग्रन्थ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तक ही मान्य पाठ्य-पुस्तक होगी।

SHASTRI

THIRD YEAR

Foundation Course

English Language

M. M. 50

1. *Linguistic Content* :

Extension of student's vocabulary in the course of the reading defferent types of texts.

2. *Reading* :

Systematic practice should be provided to students in the intensive reading of different types of texts; in perceiving the overall organization of piece of writing its main point or argument and the relationship of the other points or statement to it, in understanding implications and marking inferences; in assessing purpose of bias of the writer and the significance of what is said.

3. *Writing* :

Reporting events and experiments; stating observations, findings and conclusions; abstracting and summarising pieces of selective writing; extracting facts of

statement relevent to a given purpose; factual descriptions and articles of objective nature.

4. *Speaking* :

Practice in participating in discussions.

5. *Communication Skills* :

The development of these skills through selected passages repreesenting writing of scientific, commercial and general nature of academic value should be stressed.

6. *Reference Skills* :

Locating a book in a library and locating the reputed information in a book by using catalogues, indexes etc. taking notes from books, using books of general information suh as encyclopaedias.

The book sponsored by M. P. uchcha shiksha anudan ayog and published by M. P. Hindi granth academy is the prescribed text book for this syllabus.

१. संस्कृतम्

तृतीय

चतुर्थ प्रश्न-पत्रम् पूर्णाङ्क: १००

(क) वेणी संहार नाटकम्	३५ अंका:
(ख) नाटकस्या समीक्षणम्	१५ अंका:
(ग) भारतीय संस्कृति—परिचय: वर्णाश्रमव्यवस्था संस्कारा: शिक्षा पद्धतिश्च	२० अंका:

सहायक ग्रन्था:

१. भारतीय संस्कृति – ले० शिवदत्त ज्ञानी
२. हिन्दू संस्कार – ले० राजबली पाण्डेय
(घ) श्री रामविलास: – श्री कृष्ण प्रसाद शर्मा घिमिरे २० अंका
'काव्य प्रसाद' ढंगाल महिरी धारा काठमाडू-२ (नेपाल)
प्राप्ति स्थान (भारतीय वितरक) प्राणालोक विश्वविद्यालय परिसर रीवा -४८६००३ (भारत)

(ङ) निबन्ध: संस्कृते १५ अंका:

१ - वेद (वैकल्पिक) 'क' वर्ग

(१) ऋग्वेद:

पंचम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: १००

(क) ऋग्वेदसंहिताया: ४३-४८ अध्यायौ, सायणभाष्यम् ६०

(ख) सूक्तरत्नसंग्रह : डॉ० गोपालचन्द्र मिश्रस्य ४०

षष्ठ प्रश्न पत्रम् पूर्णांक: १००

ऋक्प्रातिशाख्यम् उवटभाष्यसहितम्
१-१४ पटलपर्यन्तम्

सप्तम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: १००

(क) निरुक्तस्य उत्तरषट्कम् ~~सपरिशिष्टम्~~ परिशिष्टम् २०
स्वसम्बद्धनिघण्टु सहितम्
(ख) अर्थसंग्रह: ४०

२ - शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखयः)

पंचम प्रश्न पत्रम् पूर्णांक: १००

(क) शुक्लयजुः संहितायाः महीधर~~भाष्यम्~~ भाष्यम् ६०
८-१२ अध्यायाः
(ख) शतपथ ब्राह्मण सायणभाष्यसहितम् ४०
प्रथमकाण्डे १-४ अध्यायाः

षष्ठ प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: १००

(क) शुक्लयजुः प्रातिशाख्यम् ६०
(ख) सूक्तरत्नसंग्रह : डॉ० गोपालचन्द्र मिश्रस्य ४०

सप्तम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: १००

सर्ववेदसाधारणपत्रम्

(क) निरुक्तम् उत्तरषट्कम् सपरिशिष्टं स्वसम्बद्ध ६०
निघण्टु संहितम्
(ख) अर्थसंग्रह ४०

३. कृष्णयजुर्वेद (उत्तरशाखीयः)

पंचम प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्क: १००

(क) तैत्तरीय संहितायाः द्वितीय काण्डस्य ६०
१-२ प्रपाठकयोः सायणभाष्यम्
(ख) सूक्तरत्नसंग्रह : डॉ० श्रीगोपालचन्द्र मिश्रस्य ४०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: १००

(क) तैत्तरीय प्रातिशाख्यस्य १-१० अध्यायाः ६०
(ख) आपस्तम्बीय सत्याषाढीय वा शुल्बसूत्रम् ४०

सप्तम प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्क: १००

(क) शुक्लयजुर्वेदवत् ६०
(ख) शुक्लयजुर्वेदवत् ४०

४– सामवेदः

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००

(क) सामवेद संहितायाः सायणभाष्यम् पूर्वार्चिकस्य तृतीयाध्यायान्तम् — ६०
(ख) चरणव्यूहः उपलब्धसर्ववेदीयशाखा परिचय सहितः — २०

सन्दर्भ ग्रन्थः :—
वेदशाखापर्यालोचनम् — डा० श्रीकिशोर मिश्रः
(ग) कात्यायन शुल्बसूत्रम् — २०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००
(क) सामविधान ब्राह्मणम् सायणभाष्यसहितम् — ६०
(ख) गोभिलगृह्यसूत्रम् उत्तरार्द्धम् — २०
(ग) बृहद्देवतायाः १–२ अध्यायौ — २०

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००
(क) शुक्लयजुर्वेदवत् — ६०
(ख) शुक्लयजुर्वेदवत् — ४०

५. अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः)

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००
(क) अथर्ववेदसंहितायाः ३-४ काण्डयौ, सायणभाष्यम् — ६०

(ख) चरणव्यूहः उपलब्धसर्ववेदीय शाखा परिचयसहितः — २०

सन्दर्भ ग्रन्थ —
वेदशाखापर्यालोचनम् - डा० श्री किशोर मिश्रः
(ग) कात्यायनशुल्बसूत्रम् — २०

षष्ठम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्क १००
(क) गोपथब्राह्मणम् उत्तरार्द्धम् — ६०
(ख) पंचपटलिका — २०
(ग) बृहद्देवतायाः १–२ अध्यायौ — २०

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००
शुक्लयजुर्वेदवत — ६०
शुक्लयजुर्वेदवत् — ४०

२ - प्राचीनव्याकरणम्

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००
(क) महाभाष्ये तृतीयअध्यायस्य प्रथम, द्वितीय तृतीय पादाः — ८०
(ख) काशिका कारिकांशरहिता नियतभागस्था — २०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्कः १००
(क) महाभाष्ये तृतीयाध्यायस्य चतुर्थपादः चतुर्थाध्यायस्य प्रथमपादश्च — ८०
(ख) काशिका कारिकांशरहिता नियतभागस्था — २०

सप्तम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: १००

(क) महाभाष्ये चतुर्थाध्यायस्य २, ३, ४ पादाः ८०

(ख) काशिका कारिकांशरहितानिच भागस्य २०

नव्यव्याकरणम्

पञ्चम प्रश्नपत्रम् पूर्णांका: १००

परिभाषेन्दुशेखरः - आदित अन्तरङ्गपरिभाषा यावत्

षष्ठ प्रश्नपत्रम् पूर्णांका: १००

परिभाषेन्दुशेखरः — नाजानान्तर्यं दूत्पत समाप्ति पर्यन्तः।

सप्तम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: १००

लघुशब्देन्दुशेखरः — पंचसन्ध्यन्त.।

३. साहित्यम्

पञ्चम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: १००

काव्य प्रकाशस्य प्रथम द्वितीय तृतीय चतुर्थोल्लासाः।

षष्ठ प्रश्नपत्रम् पूर्णांका: १००

काव्य प्रकाशस्य पञ्चमषष्ठाष्टमोल्लासाः।

सप्तम प्रश्नपत्रम् पूर्णांका: १००

काव्य प्रकाशस्य सप्तमनवमदसमोल्लासाः

४. दर्शनम्

पंचम प्रश्नपत्र पूर्णांक १००

[क] मानमेयोदयः ५०

[ख] जैमिनीयन्यायमाला ५०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: १००

सर्वदर्शनसंग्रहः [संपूर्ण]

सप्तम प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्क १००

[क] भारतीयदर्शनपर्यालोचनम् ५०

[ख] भारतीयदर्शनशास्त्रस्येतिहासः [षड्दर्शनम्] ५०

सहायक ग्रन्थ:—

१- भारतीय दर्शन : डा० बल्देव उपाध्याय कृत

२- धर्म और दर्शन : डा० बल्देव उपाध्याय

३ भारतीय दर्शन : डा० पारसनाथ द्विवेदी

[श्री राममेहरा एण्ड कम्पनी आगरा]

२. जैनदर्शनम्

(क) पंचम पत्रः प्रमाणमीमांसा सटीक (हेमचन्द्राचार्य कृत)

(क) षष्ठम पत्रः स्याद्वादमंजरी (मल्लिषेण सूरि) २० कारिकान्त

(क) सप्तम पत्रः प्रमेयकममार्तंड प्र० परि० (प्रभाचन्द्राचार्य कृत)

५. सिद्धान्त ज्योतिषम्

पंचम प्रश्नपत्रम्	पूर्णांक: १००
[क] सिद्धान्त शिरोमणि:—गोलाध्यायगत: ग्रहणवासनाधिकारान्त:	६०
[ख] दृक्पंचाग निर्माणपद्धति: पंचतारा स्पष्टाधिकारान्त:	४०
षष्ठ प्रश्नपत्रम्	पूर्णांक: १००
सिद्धान्त शिरोमणि: [दृक्कर्मवासनात: समाप्तिपर्यन्तो भाग:]	
सप्तम प्रश्न-पत्र	पूर्णांक १००
[क] दृकपंचांग निर्माण पद्धति:—अवशिष्टोभाग:	८०
[ख] प्रयोगिक:	२०

सहायक ग्रन्थ: —दृक् पञ्चाङ्ग निर्माण पद्धति: ।

फलित ज्योतिषम्

पंचम प्रश्न पत्रम्	पूर्णांक १००
[क] सूर्य सिद्धान्त:- त्रिप्रश्नाधिकारान्तभाग:	७०
[ख] भारतीय कुण्डली विज्ञानस्य प्रथमोभाग:	३०

षष्ठ प्रश्नपत्रम्	पूर्णांक: १००
[क] सूर्य सिद्धान्त:(ससाधारणोपपत्ति:) चन्द्रग्रहणात् समाप्तिपर्यन्त:	५०
[ख] सारावली—ग्रहचाराध्यायान्ता	५०
सप्तम प्रश्नपत्रम्	पूर्णांक १००
[क] सारावली (ग्रहभावात् समाप्तिपर्यन्ता)	८० अंका
[ख] प्रायोगिक:	२०

सहायक ग्रन्थ:—भारतीयकुण्डलीविज्ञानम् ।

६—धर्मशास्त्रम्

पंचम प्रश्नपत्रम्	पूर्णाङ्क: १००
याज्ञवल्क्यस्मृति: (मिताक्षरासहित: प्रायश्चित्ताध्याय:)	
षष्ठ प्रश्नपत्रम्	पूर्णांक: १००
[१] गौतम धर्मसूत्रम्	५०
[२] निर्णय सिन्धु: तृतीय: परिच्छेद:	५०
सप्तम प्रश्नपत्रम जैमिनीयन्यायमाला	पूर्णांक: १००
~~जैमिनिन्यायमालाविस्तर:~~ (१-२ अध्यायौ)	५० अंक
वशिष्ठ धर्मशास्त्रम्	५० अंक

७—पौरोहित्ये

(कर्मकाण्ड)

पंचम प्रश्नपत्रम्		पूर्णाङ्क: १००
[क] कर्मठगुरु:	: मुकुन्दवल्लभपर्वतीय	६०
[ख] यज्ञमीमांसा	: वेणीराम गौड़	४०

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक: १००

संस्कारभास्कर: : सम्पूर्ण:

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक: १००

ब्रजराज: : (सम्पूर्ण:)

८–पुराणेतिहासम्

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक: १००

श्रीमद्भागवतमहापुराणस्य एकादशस्कन्ध:

षष्ठ प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक: १००

महाभारतस्य शान्तिपर्व: [राजधर्मानुशासनपर्व:]

सप्तम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक: १००

प्राचीनभारतस्य सांस्कृतिकेतिहास: [३५० से १२५० ई० पर्यन्यम्]
[हर्षयुगत: पृथ्वीराजयुगपर्यन्तम्]

सहायक ग्रन्थ:—

१- भारतस्य सांस्कृतिकनिधि: : प्रो. रामजी उपाध्याय:
२- भारतीय दर्शनम् : डा. पारसनाथ द्विवेदी
३- भारतीय संस्कृति का इतिहास : [प्रकाशक- रतन प्रकाशन मन्दिर, आगरा]

वैकल्पिक 'ख' वर्गीय विषय

९–हिन्दी

अष्टम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक १००

समकालीनकाव्य

शास्त्री तृतीय - ख वर्ग हिन्दी

हिन्दी काव्य — १०० अंक

अष्टम – हिन्दी काव्य संकलन

कवि – मैथलिशरण गुप्त, प्रसाद, निराला, माखनलाल चतुर्वेदी, नागार्जुन, मुक्तिबोध, अज्ञेय, भवानी प्रसाद मिश्र, दुष्यन्त कुमार, धूमिल।

बी० ए० तृतीय के लिए निर्धारित म० प्र० पा० पु० की पुस्तक।

नवम — गद्य काव्य — १०० अंक

पुस्तक — गद्य विधाएं, सं० डा० रमाकान्त श्रीवास्तव।

रचनाकार	रचनाएं
प० पु० बख्शी	क्या लिखूं
हजारी प्र० द्विवेदी	अशोक के फूल
रामचन्द्र शुक्ल	करुणा
नं० दु० बाजपेयी	निराला
महादेवी	लक्ष्य
कौशल्यायन	आतिथ्य
संस्कृतायन	मेरी जीवन यात्रा

अमृतराय	कलम का सिपाही
मुक्ति बोध	एक साहित्यिक की डायरी
हरिशंकर परसाई	विकलांग श्रद्धा का दौर
केदार नाथ अग्रवाल	मित्र संवाद

अंक विभाजन व्याख्या – ३०, समीक्षा – ३०, गद्यविधाएं – ३०, लघुउत्तरीय – १० = २००

पाठ्यक्रम बी० ए० तृतीय के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार

२. राजनीति विज्ञान

अष्टम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक १००

१. प्राचीन भारतीय राजनीति दर्शन की विशेषताएं।
२. नीति की परिभाषा एवं उपयोगिता।
३. राजा-राजा के लक्षण, राजाओं का वर्गीकरण, राजा के कर्तव्य किन परिस्थियों में राजा को राजपद से हटाया जा सकता है।
४. मंत्री-मंत्री की उपयोगिता, मंत्रणा- किस प्रकार एवं किस स्थान पर किया जाना चाहिए। मंत्री परिषद, संगठन योग्यतायें एवं कर्तव्य।
५. प्राचीन गणतन्त्र के लक्षण, गुण व दोष।
६. प्राचीन भारतीय न्याय पद्धति।
७. प्राचीन भारतीय राजनैतिक विचारों का संक्षिप्त इतिहास।
८. गांधीवाद।

९. भारत में समाजवादी विचारधारा का इतिहास।

सहायक पुस्तकें :

१. महाभारत	: शान्ति पर्व
२. मनुस्मृति	: सप्तम् अध्याय
३. शुक्र नीतिसार	: कौटिल्य
४. अर्थशास्त्र	: जायसवाल
५. हिन्दू पालिटिकल थ्योरी	: अल्तेकर
६. स्टेट एण्ड गवर्नमेंट इन एन्शिएन्ट इण्डिया	: घोषाल
७. हिन्दू पालिटिकल थ्योरी	: सिन्हा
८. सावरेन्टी इन एनशियेण्ट इंडिया	

नवम प्रश्न पत्र पूर्णांक १००

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन एवं संवैधानिक विकास एवं भारतीय गणतन्त्र का संविधान

(अ) १८५७ से १९४७ तक राष्ट्रीय आन्दोलन का संक्षिप्त अध्ययन।

(ब) १८५७ से १९४७ तक संवैधानिक विकास का संक्षिप्त इतिहास।

(ष) भारतीय संविधान विस्तृत अध्ययन।

अनुशंसित पुस्तक :—

१. भारतीय शासन और राजनीति का विकास	: परमात्मा शरण
२. भारतीय शासन और राजनीति के १०० वर्ष	: सुशील चन्द्रसिंह
३. (१) भारतीय शासन प्रणाली (२) भारत का संवैधानिक एवं राष्ट्रीय विकास	: वीरकेश्वर सिंह
४. भारत का संवैधानिक एवं राष्ट्रीय विकास	: गुरुमुखविहाल सिंह
५. भारतीय राज व्यवस्था	: पुखराज जैन
६. भारत का संवैधानिक विकास, राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारतीय गणतन्त्र का संविधान	: डा० ओ० पी० बागपाल
७. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन संवैनिक विकास एवं संविधान	: आ० सी० : अग्रवाल

८. भारतीय शासन एवं राजनीति	: एम० पी० राय

३. अर्थशास्त्र

अष्टम प्रश्न पत्र — पूर्णाङ्क १००

अध्ययन रीति, उपभोग, उत्पत्ति, लोकवित्त, और आर्थिक प्रणालियाँ

१. विषय प्रवेश—अर्थशास्त्र की परिभाषा एवं क्षेत्र, अर्थशास्त्र के अध्ययन की रीतियाँ, सूक्ष्म तथा व्यापक अर्थशास्त्र, स्थैतिक तथा प्रावैगिक अर्थशास्त्र, सामान्य तथा आंशिक साम्य।

२. उपभोग— प्रतिस्थापन का नियम, तटस्थता वक्र, परिभाषा एवं विशेषतायें, उपभोक्ता की बचत मांग की लोच (प्रकार)।

३. उत्पत्ति—उत्पत्ति का नियम समोत्पाद रेखायें। विवेकीकरण एवं वैज्ञानिक प्रबन्ध, उद्योगों की स्थिति और वेबर का सिद्धान्त, जनसंख्या का सिद्धांत (माल्थस)।

४. लोकवित्त—अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धान्त।

५. सार्वजनिक व्यय—सार्वजनिक व्यय के सिद्धान्त, सार्वजनिक व्यय के प्रभाव, करारोपण के सिद्धान्त; करापात तथा कर निवर्तन, कर देय क्षमता, सार्वजनिक ऋण प्रकार एवं उद्देश्य, हीनार्थ प्रबन्धन।

६. आर्थिक प्रणालियाँ—पूंजीवाद, समाजवाद और मिश्रित अर्थ व्यवस्था।

पूर्णाङ्क: १००

नवम प्रश्नपत्रम्

मूल्य-वितरण, प्रारम्भिक सांख्यो

१. विनिमय—पूर्ण एकाधिकार की स्थिति में फर्म का साम्य, मूल्य निर्धारण में समय तत्व का महत्व, प्रतिनिधि फर्म एवं अनुकूलतम फर्म एकाधिकार का नियंत्रण ।

२. वितरण—राष्ट्रीय लाभांश—सीमान्त उत्पादकता का सिद्धान्त, लगान का आधुनिक सिद्धान्त ।

३. मजदूरी—प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के सिद्धान्त । मजदूरी एवं श्रमिक संघ ।

४. ब्याज—उधार देय कोष सिद्धान्त एवं तरलता अधिमान सिद्धान्त ।

५. लाभ—लाभ का जोखिम एवं नव प्रवर्तन सिद्धान्त एवं आय की असमानता एवं उसे दूर करने के उपाय ।

६. प्रारम्भिक सांख्यिकी—सांख्यकी की परिभाषा क्षेत्र एवं महत्व माध्य, माध्यका, एवं भयिष्टिक ।

४. इतिहास

इतिहास के दो प्रश्न-पत्र होंगे । प्रत्येक प्रश्न-पत्र १०० अंकों का होगा ।

अष्टम प्रश्न पत्र

पूर्णांक १००

भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति
(आदिकाल से आधुनिककाल तक)

१. सिन्धु घाटी की सभ्यता ।

२. वैदिक कालीन सभ्यता ।
३. बौद्ध कालीन सभ्यता ।
४. प्राचीन काल में शिक्षा एवं स्त्रियों की दशा ।
५. गुप्त कालीन सभ्यता एवं संस्कृति ।
६. राजपूत कालीन सभ्यता एवं संस्कृति ।
७. प्राचीन कालीन कला ।
८. इस्लाम का भारतीय समाज पर प्रभाव ।
९. भक्ति और सूफी आन्दोलन ।
१०. भारतीय संस्कृति के विकास में मुगलों का योगदान ।
११. मध्यकाल में स्त्रियों की दशा ।
१२. मध्यकालीन शिक्षा ।
१३. भारतवर्ष पर पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव ।
१४. उन्नीसवीं सदी के सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन ।
१५. १९ वीं सदी में भारतीय समाज ।

पुस्तकें :—

[अ] संस्कृति के चार अध्याय : डा. रामधारीसिंह दिनकर
[ब] भारतवर्ष की संस्कृति का विकास : डा. वी. एल. लुनिया
[स] भारतीय सभ्यता संस्कृति का इतिहास : डा. राजेश्वरन
[द] भारत का सम्पूर्ण इतिहास : डा. वी. एस. भार्गव

पूर्णांङ्क: १००

नवम प्रश्नपत्रम्

[प्राचीन, मध्य तथा आधुनिक काल तीन भाग]

आधुनिक विश्व का इतिहास

[१७८९ ई० १९४५]

१. फ्रांस की राज्य क्रान्ति के कारण और परिणाम।
२. नेपोलियन एवं वियना सम्मेलन।
३. इटली का एकीकरण।
४. जर्मनी का एकीकरण।
५. औद्योगिक क्रान्ति।
६. उन्नीसवीं सदी में उदारवाद।
७. उन्नीसवीं सदी में औपचारिक प्रतिस्पर्धा।
८. चीन जापान में विदेशी शक्तियों का हस्ताक्षेप एवं प्रभाव।
१०. प्रथम विश्व युद्ध के पूर्व यूरोप में गुटबन्दियां।
११. १९१७ में रूसी क्रांति।
१२. राष्ट्र संघ की स्थापना सफलतायें एवं असफलतायें।
१३. तानाशाही शक्तियों का उदय-मुसोलिनी एवं हिटलर।
१४. द्वितीय विश्व युद्ध के कारण।
१५. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना।

सहायक पुस्तकें—

(अ) आधुनिक काल का इतिहास : सी. डी. एम. केटेलबी
(ब) आधुनिक यूरोप का इतिहास : बी. एन. मेहता
(स) आधुनिक यूरोप का इतिहास : सत्यकेतु विद्यालंकार
(द) आधुनिक एशिया का इतिहास : सत्यकेतु विद्यालंकार
(इ) आधुनिक योरोप का इतिहास : डा. सावित्री महाजन
(ई) आधुनिक यूरोप का इतिहास : डा. हेजम (अनुवाद) सत्यनारायण दुबे

५. भूगोल

अष्टम प्रश्नपत्रम्

पूर्णांङ्क: १००

भौतिक भूगोल :—अपरदन का सामान्य चक्र, प्रवाह प्रणाली, स्रोत (प्रकार एवं उत्पत्ति) ज्वालामुखी के प्रकार तथा उत्तीर्ण पदार्थ। वायु भार। हवायें, चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात्, वर्षा, जलमण्डलप्रवाल, भित्तियां तथा एटोल।

प्रायोगिक भूगोल

मानचित्र प्रक्षेप—विभिन्न प्रदेशों के सिद्धान्त, वर्गीकरण एवं विशेषतायें।

(अ) वेलाकार—वेलताकार साधारण सम क्षेत्रफल :

(ब) शिरोबिन्दु प्रक्षेप (ध्रुवीय स्थिति) केन्द्र रेखीय साद्रेखीय, अनन्त रेखीय ।

(स) शंक्वाकार-एक मानस अक्षांश सहित शंक्वाकार प्रक्षेप दो मानक अक्षांश सहित शंक्वाकार प्रक्षेप, बोन्स प्रक्षेप, बहु प्रक्षेप ।
सकुक ।

नवम प्रश्नपत्रम्

पूर्णांक: १००

एशिया महाद्वीप (भारत को छोड़कर) का भौगोलिक अध्ययन स्थिति, सीमा-विस्तार, प्राकृतिक रचना एवं जलवायु । खनिज, कृषि एवं उद्योग । यातायात के प्रमुख साधन व्यापार, जनसंख्या नगर एवं बन्दरगाह ।

प्रायोगिक भूगोल—

(क) आरेखों का मानचित्रात्मक प्रदर्शन ।

१. रेखीय आरेख
२. दण्ड आरेख
३. तृतीय आरेख
४. चक्र आरेख

(ख) शैलों की पहचान—बेसाल्ट, ग्रेनाइट, चूना, पत्थर, संगमरमर क्वार्टजाइट तथा स्लेट ।

अनुशंसित पुस्तकें :—

१. एशिया : आर. एन. तिवका
२. एशिया : चतुर्भुज मामोरिया ।

६. समाजशास्त्र

शास्त्री तृतीय वर्ष

प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक

अष्टम प्रश्नपत्रम्

पूर्णांका: १००

१. अगस्त काम्टे (फ्रान्स का समाज शास्त्री)

१. समाज के सम्बन्ध में विचार
२. चिंतन के तीन स्तरों का नियम
३. समाजशास्त्र में काम्टे का योगदान

२. हरबर्ट स्पेन्सर (ब्रिटेन में समाज शास्त्र के संस्थापक)

१. सावयवी सादृश्यता का सिद्धान्त
१. उद्विकासीय सिद्धान्त

६. चार्ल्स हरबर्ट कूले—(अमरीका के समाजशास्त्री)

१. प्राथमिक समूह का सिद्धान्त

२. 'स्व' दर्पण का सिद्धान्त

४. कार्ल मार्क्स (जर्मनी)

१. समाज के सम्बन्ध में विचार

२. वर्ग-संघर्ष का सिद्धान्त

५. राधा कमल मुकर्जी (भारतीय)

१. सामाजिक मूल्यों का सिद्धान्त

२. समाजशास्त्र में मुकर्जी का योगदान

६. गांधी (भारतीय)

१. अहिंसा का सिद्धान्त

२. संरक्षकता (ट्रस्टीशिप) का सिद्धान्त

पुस्तकें :—

१. सामाजिक विचारक कामटे से गान्धी तक—आर. एन. मुकर्जी

२. सामाजिक विचारक एवं सामाजिक अनुसंधान—डा. के. पी. आर्य

३. समाजशास्त्रीय सिद्धान्त—डा. सिंह एवं अवस्थिया

शास्त्री तृतीय वर्ष

सामाजिक सर्वेक्षण एवं अनुसंधान

नवम प्रश्न-पत्र — पूर्णांक १००

सामाजिक सर्वेक्षण—अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें, प्रकार, महत्व।

सामाजिक अनुसंधान— अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें प्रकार, महत्व।

सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण में अन्तर।

अवलोकन—अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें, प्रकार, महत्व।

साक्षात्कार—अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें, प्रकार, महत्व।

अनुसूची एवं प्रश्नावली—अर्थ, परिभाषा, उपयोगिता, प्रश्नावली, एवं अनुसूची में अन्तर।

सामाजिक शब्दकोष—अर्थ, परिभाषा, महत्व।

माध्य, मध्यिका बहुलांक—अर्थ, परिभाषा, उपयोगिता।

चित्रों एवं रेखाचित्रों द्वारा तथ्यों का प्रदर्शन।

दंड चित्र सरल दंड चित्र० बहुदंड चित्र, अन्तर्विभक्त दंड चित्र।

पुस्तकें :

१. सामाजिक सर्वेक्षण—आर० एन० मुकर्जी
२. सामाजिक सर्वेक्षण—सत्यपाल रहेजा
३. सामाजिक सर्वेक्षण अनुसंधान की पद्धतियाँ—वाजपेयी
४. वैज्ञानिक सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण—सिन्हा एवं मिश्रा

७. गृहविज्ञानम्

अष्टम प्रश्न-पत्र (लिखित प्रश्न-पत्र) पूर्णांङ्क ७०

शरीर विज्ञान एवं स्वास्थ्य विज्ञान

१. कोशिका एवं ऊतक (परिभाषा एवं रचना)।

२. श्वासोच्छवास संस्थान के अंग एवं कार्य प्रणाली।

३. रक्त संस्थान, रक्त का संगठन, कार्य, रक्त का जमना, हृदय की रचना, रक्त का शुद्धिकरण।

४. पाचन संस्थान—अन्न मार्ग की रचना एवं कार्य।

५. विशिष्ट संवेदना—(१) आंख की रचना एवं कार्य।

(२) कान की रचना एवं कार्य।

६. स्वास्थ्य से तात्पर्य शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य।

७. सामाजिक रीति-रिवाज, बाल-विवाह, पर्दा प्रथा आदि का स्वास्थ्य पर प्रभाव, परिवार नियोजन।

८. संक्रामक रोग—कारण, लक्षण, बचाव एवं देखभाल :—
(१) हैजा (२) पेचिस (३) अतिसार (४) मलेरिया
(५) चेचक।

अनुशंसित पुस्तक :—

१. शरीर क्रिया विज्ञान—वि० न० भावे
२. आरोग्य शास्त्र—वि० न० भावे
३. जन स्वास्थ्य—शिक्षा प्रकाशन इन्दौर।

प्रायोगिक— ३० अंक

१. प्राथमिक चिकित्सा का अर्थ एवं सिद्धान्त।
२. प्राथमिक चिकित्सक के गुण एवं कर्तव्य।
३. लम्बी एवं तिकोनी पट्टी बाँधना।
४. रोगी के कमरेका चुनाव एवं तैयारी।
५. घरेलू दवाइयाँ एवं उनका उपयोग।

नवम प्रश्नपत्र (लिखित प्रश्न-पत्र) पूर्णांक ३०

बाल विकास

१. बाल विकास की परिभाषा। बाल अध्ययन की की आवश्यकता।
२. बाल विकास के सिद्धान्त व प्रभावित करने वाले कारक।
३. वंशानुक्रम एवं वातावरण।
४. मूल प्रवृत्ति एवं आदत।
५. सामाजिक विकास।
६. भाषा विकास।
७. व्यक्तित्व विकास।
८. बाल अपराध के कारण और दूर करने के उपाय।

अनुशंसित पुस्तकें :—

१. बाल विकास — भाई योगेन्द्र जीत।
२. बाल मनोविज्ञान — रामनाथ शर्मा
३. बाल विकास — कमलेश शर्मा (शिवा प्रकाशन, इन्दौर)

प्रायोगिक— ३० अङ्क

१. नर्सरी स्कूल के बच्चों का अवलोकन—
(१) आपसी व्यवहार (२) खेल (३) भोजन सम्बन्धी।

२. गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी सावधानियाँ।
३. प्रसव की तैयारी एवं सावधानी।
४. शिशु की देखभाल, शिशु के वस्त्र।

संगीत

इसमें लैखिक परीक्षा के दो प्रश्न-पत्र होंगे तथा प्रत्येक का समय तीन घन्टे का होगा। साथ ही क्रियात्मक परीक्षा भी होगी। प्रत्येक लैखिक प्रश्न पत्र के ५० अङ्क होंगे और क्रियात्मक परीक्षा के १०० अङ्क मिलाकर २०० अङ्क होंगे। विद्यार्थियों को लैखिक तथा क्रियात्मक परीक्षा अलगपास होना अनिवार्य है। विद्यार्थियों को गायन अथवा तन्त्रवाद्य, तालवाद्य में से एक लेना होगा।

सैद्धांतिक

अष्टम प्रश्न पत्र पूर्णांक ५०

भारतीय संगीत

नोट:—यह प्रश्नपत्र गायन, तन्त्रवाद्य, तालवाद्य, तीनों के लिये अनिवार्य है :

१. निम्नलिखित की जानकारी : आधुनिक काल में (कुछ विभागों में अध्ययन करना) जैसे-संगीत महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों संगीत के विषय में प्रचार और प्रसार के क्षेत्र कुछ संगीतज्ञ संगीत शास्त्रियों तथा संगीत की संस्थायें, संगीत सम्बन्धी पत्र-पत्रिकाओं, संगीत सम्मेलन, आकाशवाणी

रिकार्ड, दूरदर्शन तथा विदेशियों में भारतीय संगीत की लो-
प्रियता आदि।

१—निम्नलिखित संगीतज्ञ एवं संगीत शास्त्रियों के विषय में साम-
ज्ञान (१) भरत (२) शारंगदेव (३) अमीर खाँ (गायक)
(४) विलायत खाँ (सितार वादक) (५) प० रवीशं-
(६) किशन महराज (७) अल्ला रक्खा (उदयशंकर (९) व
गुलाम अली।

३—तार वाले तथा तार रहित वाद्यों से लाभ तथा उनकी मर्यादा
४—ध्वनि, ध्वनि तरंग, संगीतिक तथा असंगीतिक निसंगीतीपयोगी
ध्वनि के नियम।

५—निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखने का ज्ञान :—डायटोनिक (पाश्चात्य
शुद्ध सप्तक), टेम्पर्ड स्केल (समविभागीय सप्तक), हार्मोनी (स्वर
अथवा समन्वय) मेलोडी (स्वर माधुरी), इन्टर व्हेल्स (स्वरान्तर)
मेजर टोन [दीर्घान्तर], माइनर टोन [न्यूनीकृत अन्तर] सेमीटोन
[अल्पान्तर]।

६—संगीत सम्बन्धी विषयों पर लेख

क- शास्त्रीय संगीत ख- चित्रपट संगीत
ग- लोक संगीत घ- तानि का महत्व इत्यादि।
ड- वर्तमान समय में शास्त्रीय संगीत की दशा की दशा परिवर्तन
कविता।

च-संगीत के उपकरण।

७—शास्त्री भाग एक और दो में अध्ययन किये गये तालों के अतिरिक्त
निम्नलिखित तालों के ठेके :—
आड़ाचौताल, सवारी गजझंपा।

सैद्धान्तिक

नवम प्रश्न पत्रम् पूर्णांक ५०

खण्ड (अ) गायन (लेखिक)

१—आधुनिक आल्हाप गायन विधि :-नोम तोम पूर्णक्रम जिस प्रकार
आधुनिक तन्त्रकार जोड़ा लाप करते हैं।

२—निम्नलिखित पर टिप्पणी :—गीत, गन्धर्वगान, रागालाप,
रूपकालाप, अल्पत्व, बहुत्व, आविर्भाव- तिरोभाव-वाग्येयकार।

३—श्रुतियाँ स्वरान्दोलन और तार की लम्बाई के अनुसार स्वर
स्थापना प्रकरण।

४—व्यंकट मखीकृत ७२ थाट रचना।

५—पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय ज्ञान-बहार, मियाँ मल्हार,
अड़ाना, दरबारी, जयजयवन्ती, गौड़ मल्हार, दुर्गा बिलावल
थाट पूरिया बनाओ।

६—दो घरानों की ख्याल गायन शैली की विशेषता, ग्वालियर

किराना घराना।

७—तानपुरा मिलाना और उनके सहायक नाद।

८—पाठ्यक्रम के रागों की बन्दिशों की स्वर लिपि लिखना चार विलम्बित ख्याल, आठ द्रुत ख्याल, दो ध्रुपद, एक धमार, एक तरान ध्रुपद की दुगुना एवं चौगुना तथा धमार की दूगुन,।

९—संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर निबन्ध।

नवम प्रश्न पत्रम् पूर्णांक: ५०

सैद्धान्तिक

खण्ड [ब] तन्त्रवाद्य

१—आधुनिक आलाप विधि-नोम तोम का पूर्णक्रम जिस प्रकार आधुनिक तन्त्रकार आलाप जोड़ करते हैं।

२—श्रुतियाँ, स्वरान्दोलन और तार की लम्बाई के अनुसार स्वर स्थापना प्रकरण।

३—व्यंकट मखीकृत थाट रचना।

४—निम्नलिखित पर टिप्पणी :—गीत, गान्धर्व गान, रागालाप, रूपकालाप, अल्पत्व, बहुत्व, आविर्भाव, तिरोभाव, कम्पन, झेलन।

५- पाठ्यक्रम के रागों के रागों का शास्त्रीय ज्ञान :—
१- बहार २- मियाँ मल्हार ३- अड़ाना ४- दरबारी
५- जयजयवन्ती ६- गौड़ मल्हार ७- दुर्गा (बिलावल थाट) ८- पूरिया धनाश्री

६. वाद्यसम्बन्धी सिद्धान्त—मुद्रा स्थिति, आसन अंग विन्यास हस्त-संचालन तथा उसे बजाने की विभिन्न विधियां।

७. मिजराफ अथवा गज के द्वारा निकाले जाने वाले बोल।

८. भारतीय वाद्यों का विकास एवं इतिहास का तुलनात्मक अध्ययन। भारतीय संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्य तन्त्र के क्षेत्र में सेनिया या सेनी घराने की देन।

खण्ड (स) तालवाद्य

नवम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: ५०

(सैद्धान्तिक)

१. तबला तथा विभिन्न अवनद्ध वाद्यों का इतिहास।

२. तबला तथा पखावज के घराने : पंजाब, फरुखाबाद, कुदऊ सिंह अम्बादास, पंत आगले।

३. निम्नलिखित की परिभाषायें : ग्रह (चार प्रकार) जाति (पांच प्रकार) लय कला (तीन प्रकार), मुखड़ी, परन, लग्गी-

चढ़ी, रेला पेशकार और गत ।

४. तबले में प्रयुक्त विभिन्न तकनीकी शब्दों का तुलनात्मक अध्ययन।
१ ताल के दस प्राण ।

६. संगत के विभिन्न प्रकार जैसे—गायन, वाद्य, नृत्य की सैद्धांतिक जानकारी।

७. लिपि में लिखने के लिए (ठाह तथा दुगुन) ।

[क] तीव्र-सवारी, पंजाबी, गजझंपा, विक्रम, शिखर, मस्त ।
[ख] दादरा और कहरवा : प्रत्येक में चार-चार लग्गियां ।
[ग] त्रिताल में अग्रिम पाठ-प्रचार पेशकार, चार कायदे, चार गत परन, दो रेले, दो चक्करदार ।

[घ] आड़ा चार ताल में दो कायदे, दो मुखड़े, दो परन, दो मोहरे ।

खण्ड अ (गायन)

क्रियात्मक

पूर्णांक १००

१. स्वर की पहचान तथा पुनरुच्चारण ध्वनि की सहायता से स्वर राग तथा ताल की पहचान ।

२. निम्नलिखित प्रत्येक राग में विद्यार्थियों को एक सरगम, एक छोटा

अथवा द्रुत ख्याल सीखाना आवश्यक है । वैसे ही पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित लय में चार बड़े ख्यालों को ध्रुपद तथा एक तराना सीखाना होगा । विद्यार्थियों को तानपुरा तथा तबले की सहायता से अच्छी शैली से ख्याल में कम से कम चार अलाप तथा तानें प्रस्तुत करना होगा । आलाप ताल में बंधे न हों तथा मुक्त आलाप का प्रयास हो ।

राग :-बहार, मियामल्हार, अड़ाना, दरबारी, जयजयवन्ती, गौड़-मल्हार, दुर्गा (बिलावट थाट) पूरिया धनाश्री ।

३—पूर्व में अध्ययन किये तालों के अतिरिक्त निम्नलिखित तालों का जानकारी : झूमरा, आड़ा चौताल, धमार एवं तालों देकर बोलने का अभ्यास ।

खण्ड [ब] तन्त्रवाद्य

क्रियात्मक

पूर्णांक १००

१—निम्नलिखित रागों का ज्ञान :-बहार, मिया मल्हार, अड़ाना दर-बारी, जयजयवन्ती, गौड़ मल्हार, दुर्गा (बिलावल थाट पूरिया धनाश्री ।

२—उपर्युक्त रागों में चार मसीतखानी गत कम से कम तीन तोड़ों सहित अथवा बड़ा ख्याल तीन तानों सहित, आठ रजाखानी गत

...ोड़ों सहित अथवा छोटा ख्याल या तरानों पांच तानों सहित ...गा।

...कम तीन रागों में झाला और तिहाई जानना आवश्यक है।

आलाप और जोड़ों की प्राथमिक–उपर्युक्त किन्हीं दो रागों में।

५—निम्नलिखित तालों के ठेके कंठस्थ करना एवं ताली देकर बोलना। शास्त्री प्रथम वर्ष और दो में निर्धारित तालों के अतिरिक्त पश्तो घूमाली, आडा चौताल, पंचम सवारी ताल।

खण्ड (स) तालवाद्य

क्रियात्मक

पूर्णांक १००

पूर्व वर्षों में अध्ययन किये हुए तालों के अतिरिक्त निम्नलिखित तालों के ठेके की जानकारी तीव्रा सवारी, पंजाबी, गजझपा, विक्रम शिखर और भत्ता ताल।

२—प्रत्येक में चार-चार लग्गी सहित कहरवा तथा दादरा।

३—त्रिताल में अग्रिम पाठ-चार पेशकार, चार कायदे, चार गत परन्तु दो रेलें चक्करदार।

४—आड़ा चौताल में दो कायदे, दो मुखड़े, दो परन तथा दो मोहरे।

११: शिक्षा शास्त्र

दो प्रश्न पत्र, प्रत्येक तीन घन्टे की अवधि एवं १०० अंक के होंगे।

शिक्षा मनोविज्ञान

अष्ठम प्रश्नपत्रम्

पूर्णांक: १००

१. मनोविज्ञान का अर्थ एवं विधियां।

२. वंशानुक्रम एवं पर्यावरण।

३. शारीरिक मानसिक संघात्मक एवं सामाजिक विकास। किशोरावस्था की विशेष समस्यायें।

४. व्यक्तित्व अथवा बुद्धि के सन्दर्भ में वैयक्तिक भिन्नतायें। बुद्धि एवं व्यक्तित्व का मापन।

५. मूल प्रवृत्तियां, चालनायें एवं प्रेरक और उनका शैक्षणिक पक्ष सामान्य प्रवृत्तियां, सहानुभूति, सुझाव और अनुकरण।

६. सीखना, प्रेरणा और सीखने में स्थानान्तरण।

७. संवेदना एवं प्रत्यक्षीकरण, अवधान एवं रुचि, स्मृति एवं विस्मृति।

८. प्रत्यक्ष निर्माण। कल्पना एवं शिक्षा में सृजनात्मकता।

९. पिछड़ापन तथा प्रतिभाशीलता।

१०. केन्द्रीय प्रवृत्तियों का मापन, मध्यमान, सहांक, बहुलांक।

Shastri Part III

Optional-Kha varg ('ख' वर्ग)

ENGLISH LITERATURE

Paper VIII (Drama)

This paper will be based on the detailed study of G. B. Shaw's drama 'Arms & the Man; There will be one question of exqlanation requiring explanatior of passages carrying 10 marks each, totalling 40 marks There will be three critical questions on the text carrying 20 marks each totally 60 marks.

Paper IX (Poetry)

Optional En-lish-Litt.

Ther shall be one question of explanation requiring explanations of passages from the following writings carrging 10 marks each =40 marks.

(1) Hopkins — Pied Beauty
God's Crandeur

(2) W. B. Yeats — Sailing to Byzantium

(3) T. S. Eliot — Love song of J. Alfred Prufrock

Three Cribcal questions on the text 60 Marks

Total 100 Marks

तुलनात्मक शिक्षा

प्रश्न पत्र

पूर्णांक १००

- तुलनात्मक शिक्षा का अर्थ एवं आवश्यकता ।
- तुलनात्मक शिक्षा का स्वरूप एवं क्षेत्र ।
- राष्ट्रीय शिक्षा प्रणालियों पर जाति, भाषा, धर्म, राजनीति एवं अर्थ-व्यवस्था का प्रभाव ।
- निम्न देश में किन्हीं २ की शिक्षा प्रणालियों का अध्यन :—
(अ) रूस (ब) इग्लैन्ड (स) अमेरिका
इन देशों की प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के अन्तरगत शिक्षा संगठन, वित्त एवं नियन्त्रण ।

ऐच्छिक अतिरिक्त विषय अंग्रेजी

Marks 100

here shall be one paper carrying 100 marks.

he fbllawing will be the break-up of marks—

1- Questions from text prescribed for detailed study Three questions.	50
2- Rapid Reading (One question only)	10

3— Grammar

(One question will be on use of preposition)

4— Essay (of about 300 words)

For Grammar works Allen's Book Living English Structure is prescribed

Text for detailed study :

Creative English : compiled by jagdish Chander first 10 lessons (Oxford)

Rapid Reader :

The Mayor of Casterbridge—Thomas Hardy (Abridged ed) (Mac Millan)

मुद्रक : टी० पी० आई० प्रिंटर्स, वास्ते सरोज प्रकाशन
646, कटरा, इलाहाबाद-211002
फोन-(0532) 608334, 641566